email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:55 | कटक शनिवार 09 जुलाई 2022 | मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे गुट की एक और याचिका, शिंदे को सरकार बनाने के गवर्नर के आमंत्रण को चुनौती

उद्धव ठाकरे खेमे ने 30 जून को एकनाथ शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की है।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन के बाद अब निगाहें सुप्रीम कोर्ट में 11 जुलाई को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक उद्धव ठाकरे कैंप ने सर्वोच्च न्यायालय में एक और याचिका दाखिल की है। इसमें गवर्नर के निमंत्रण को चुनौती दी गई है। उद्धव ठाकरे खेमे ने 30 जून को एकनाथ शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की है। यह कदम शिंदे द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद आया है। आपको बता दें कि उद्धव ठाकरे गुट के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं। सभी मामलों पर 11 जुलवाी पर एकसाथ सुनवाई होनी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के बागी विधायकों के गुट के नए पार्टी सचेतक (व्हिप) को मान्यता देने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सोमवार को सहमत हो गया।

आत्महत्या के अलावा दूसरा कोई और रास्ता नहीं होगा... क्या जावेद अख्तर ने कंगना रनौत से कही थी ये बात?

न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि नई याचिका की सुनवाई भी पहले से लंबित अन्य मामलों के साथ ही 11 जुलाई को समान पीठ की ओर से की जाएगी। उद्धव ठाकरे गुट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ए. एम. सिंघवी ने कहा, 'सचेतक को मान्यता देना अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह इस अदालत के समक्ष कार्यवाही की यथास्थिति को बदल रहा है। अध्यक्ष ने आधी रात को नए सचेतक की नियुक्ति की।'

इसमें गवर्नर के निमंत्रण को चुनौती दी गई है। उद्धव ठाकरे खेमे ने 30 जून को एकनाथ शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की है। यह कदम शिंदे द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद आया है।

रेलवे ने रचा इतिहास, 10 महीने की छोटी बच्ची को अनुकंपा के आधार पर दी नौकरी

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ में एक दुर्घटना में अपने माता-पिता को खोने वाली 10 महीने की बच्ची को रेलवे ने अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह 18 वर्ष की होने के बाद रेलवे में काम कर सकती है। उन्होंने बताया कि राज्य के इतिहास में संभवतः पहली बार इस उम्र की बच्ची को अनुकंपा के आधार पर ऐसा प्रस्ताव दिया गया। अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियों का उद्देश्य मृत सरकारी कर्मचारियों के परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने एक बयान में कहा, ''चार जुलाई को एसईसीआर, रायपुर रेल मंडल के कार्मिक विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के लिए 10 महीने की बच्ची का पंजीयन किया गया था।'' बयान में कहा गया है, ''बच्ची के पिता राजेंद्र कुमार भिलाई के एक रेलवे यार्ड में सहायक के रूप में कार्यरत थे। एक जून को एक सड़क दुर्घटना में उनकी पत्नी के साथ उनकी मौत हो गई थी। हालांकि, बच्ची बच गई थी।'' इसमें कहा गया है, ''कुमार के परिवार को रायपुर रेल मंडल द्वारा नियमानुसार हर संभव सहायता प्रदान की गई।'' अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने रेलवे के रिकॉर्ड में आधिकारिक पंजीकरण कराने के लिए बच्ची के उंगलियों के निशान लिए हैं।

सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि के ठिकानों पर ईडी की रेड

साहेबगंज, बरहेट समेत 18 जगहों पर छापेमारी जारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के ठिकानों पर छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक, टेंडर घोटाले को लेकर साहेबगंज, बरहेट और राजमहल समेत 18 जगहों पर छापेमारी जारी है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को नारा शहर में गोली मार दी गई है। जापान के NHK वर्ल्ड न्यूज ने इस बात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पहले 'अरुण जेटली मेमोरियल लेक्चर' में भाग लेंगे। वह कार्यक्रम के दौरान सभा को भी संबोधित करेंगे। पीएमओ के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री के राष्ट्र के लिए अमूल्य योगदान के सम्मान में पहला 'अरुण जेटली मेमोरियल लेक्चर' आयोजित किया गया है। वहीं, केरल में अगले पांच दिनों के लिए गरज के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। बता दें कि तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर सभी जिलों में आज और कल यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

वर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के ठिकानों पर छापेमारी की।

उच्च जोखिम श्रेणी में 375 से अधिक दिल्ली की इमारतें, मालिकों को जारी किया गया नोटिस

नयी दिल्ली। नगर निगम ने दिल्ली में 375 से अधिक घरों और भवनों को जोखिम की श्रेणी में चिन्हित किया है, जिन्हें ध्वस्त किए जाने एवं मरम्मत की आवश्यकता है। निगम ने उप राज्यपाल वी के सक्सेना के निर्देश पर यह कवायद की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में सदर-पहाड़गंज के 112 और सिविल लांइस इलाके में 101 घरों के ढांचे को खतरनाक माना गया है। सक्सेना ने 27 जून को एमसीडी और नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) को बारिश के मौसम में ढहने के जोखिम वाली इमारतों की पहचान करने और उन्हें ध्वस्त करने या मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

एक अधिकारी ने बताया कि एनडीएमसी ने सर्वेक्षण के लिए दो टीम का गठन किया और जुलाई के पहले सप्ताह तक किए गए सर्वेक्षण में 110 परिसरों को जोखिम की श्रेणी में पाया गया। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए उपयुक्त कदम उठाए जा रहे हैं। निगम के एक अधिकारी ने कहा कि एमसीडी ने एक जुलाई तक शहर के 26,62,135 मकानों में से 24,73,179 का सर्वेक्षण किया, जिनमें से 266 को जोखिम की श्रेणी में पाया गया और इनके मालिकों को नोटिस जारी किया गया।

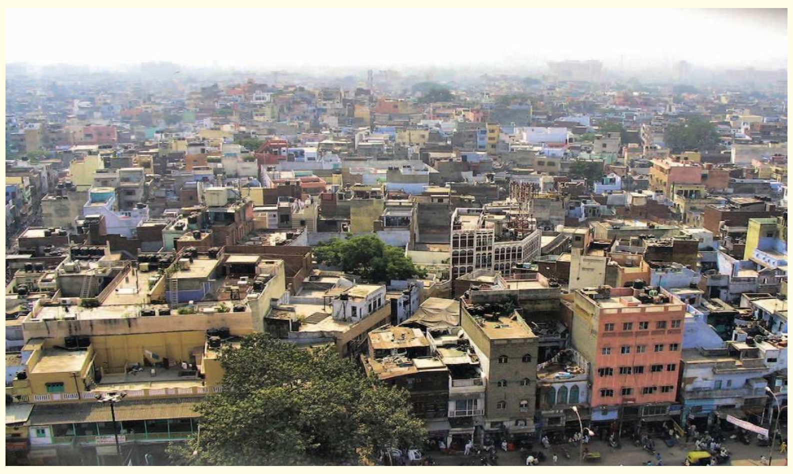

उत्तराखंड के रामनगर में बड़ा हादसा

पुल से गुजरते पानी में बही कार; पंजाब के 9 पर्यटकों की गई जान

रामनगर। उत्तराखंड के रामनगर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां उफनाई ढेला नदी में कार गिरने से 9 पर्यटकों की मौत हो गई है। सभी के शव बाहर निकाल लिए गए हैं। मरने वाले सभी लोग पंजाब के रहने वाले हैं।

कुमाउं रेंज के डीआईजी आनंद भारन ने दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि 9 पर्यटकों की मौत हो गई तो 1 लड़की को जीवित बचा लिया गया है। 5 लोग अभी भी फंसे हुए हैं।

बताया जा रहा है कि भारी बारिश के बाद ढेला नदी का पानी पुल तक चढ़ गया था और इस दौरान वहां से गुजर रहे पर्यटकों ने जोखिम लेकर पुल पार करने की कोशिश की। लेकिन बीच में जाने के बाद कार नदी की तेज धार के साथ बह गई।

गोल्ड स्मगलिंग केस-स्वप्ना सुरेश का आरोप- CM विजयन कर रहे मेरा उत्पीड़न; केंद्रीय मंत्री ने मांगा इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम। केरल गोल्ड स्मगलिंग केस की आरोपी स्वप्ना सुरेश ने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वह सत्य को सामने लाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए सीएम की ओर से उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। सुरेश ने कहा, मुख्यमंत्री से लोगों को सुरक्षा देने की उम्मीद की जाती है लेकिन केरल के सीएम मेरा उत्पीड़न कर रहे हैं। मैं सत्य सामने लाने के लिए लड़ रही हूं, इसलिए ऐसा हो रहा है। वह ऐसा अपनी बेटी के साथ नहीं कर सकते हैं। उन्हें हम सभी को अपनी बेटी के तौर पर देखना होगा। स्वप्ना सुरेश ने कहा, मेरे खिलाफ साजिश का मामला दर्ज किया गया है, जिसे लेकर क्राइम ब्रांच ने मुझसे पूछताछ की। दरअसल, यह उत्पीड़न है। जांच टीम ने मुझे एचआरडीएस इंडिया से हटने और अपने वकील कृष्णा राज को छोड़ने के लिए कहा। यह एक धमकी है।

क्या है गोल्ड स्मगलिंग केस?

5 जुलाई, 2020 को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने एक बैग से 30 किलोग्राम 24-कैरेट सोना जब्त किया गया था, जिसे तिरुवनंतपुरम में यूएई वाणिज्य दूतावास में पहुंचाया जाना था। केरल के सीएम पिनाराई विजयन के प्रधान सचिव एम शिवशंकर को निलंबित कर दिया गया था और प्रारंभिक जांच के बाद पद से हटा दिया गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में पता चला कि आरोपियों में से एक स्वप्ना सुरेश के साथ उनके संबंध थे।

केरल के मुख्यमंत्री इस्तीफा दें-केंद्रीय मंत्री-वहीं, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने इस मामले को लेकर केरल की माकपा नीत एलडीएफ सरकार पर हमला किया। साथ ही मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से अपने पद से इस्तीफा देकर जांच का सामना करने की मांग की। करंदलाजे ने कहा कि इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि सोने की तस्करी के किसी मामले में किसी मुख्यमंत्री और उनके परिवार के विरूद्ध आरोप लगाए गए हैं।

10 राज्यों में अगले 5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में रोजाना बारिश हो रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल आदि जैसे राज्यों में बारिश के हालात बेकाबू होने लगे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में आज बादल छाए रहेंगे। शाम या रात में कई इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है । शनिवार को मध्यम स्तर की बारिश के आसार है। उसके बाद उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी।

हिमाचल प्रदेश में अगले तीन दिन के दौरान चार जिलों कांगड़ा, मंडी, सोलन व सिरमौर में भारी वर्षा के साथ आंधी की चेतावनी जारी की गई है । लाहुल स्पीति को छोड़ बाकी जिलों में आंधी व वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने ऐसे राज्यों के बारे में जानकारी दी है, जहां पर अगले पांच दिनों तक भारी बारिश और आंधी तूफान आने वाला है। यात्रियों और पर्यटकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान में 8 जुलाई को भारी बारिश होगी।

अगले पांच दिन तक इन 10 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के मुताबित पूर्वी यूपी में अगले पांच दिनों तक झमाझम बारिश के आसार हैं। वहीं IMD ने ट्वीट करके बताया है कि ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और माहे, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, आंधी-तूफान भी आएगा।

मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात में 8 से 11 जुलाई के बीच भारी बारिश की संभावना है। 7 से 9 जुलाई के बीच सौराष्ट्र और कच्छ में भारी बारिश होगी। 10 और 11 तारीख को मध्य महाराष्ट्र में तेज बारिश होने वाली है। इसके अलावा, कर्नाटक में 9 जुलाई को भारी बारिश होगी। तटीय आंध्र प्रदेश में 7, 8 जुलाई और 11 जुलाई को तेज बारिश होगी। वहीं, तेलंगाना में 7 और 8 जुलाई व 11 जुलाई को तेज बारिश होगी।

यूपी और उत्तराखंड आंधी तूफान के साथ होगी भारी बारिश

उत्तराखंड में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के भी कई हिस्सों में बारिश हो रही। मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 8 और 9 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश होगी। मौसम विभाग के ताजा ट्वीट के अनुसार अगले पांच दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश और आंधी तूफान की संभावना है।

पंजाब में आज से तीन दिन बारिश के आसार

पंजाब में मानसून सक्रिय है और मौसम विभाग की मानें तो आठ से 10 जुलाई तक प्रदेश में बारिश की संभावना है। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बूंदाबांदी का अनुमान है और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होगी। नौ और 10 जुलाई को कुछ स्थानों पर जोरदार बारिश भी होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आठ जुलाई को पठानकोट, होशियारपुर, रूपनगर, गुरदासपुर, नवांशहर, एसएएस नगर, फतेहगढ़ साहिब में अच्छी बारिश का अनुमान है।

उत्तराखंड के 8 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने अगले दो दिन देहरादून समेत आठ जिलों में भारी से भारी बारिश का आरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह क मुताबिक जुलाई के दूसरे सप्ताह में वर्षा का क्रम जारी रह सकता है। दो दिन चंपावत, नैनीताल, देहरादून, पौढ़ी, टिहरी, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और ऊधमसिंह नगर में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका है। अन्य जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा के आसार हैं

संपादकीय

पुलिस आमने-सामने

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और नोएडा के बीच जैसा नाटक खेला गया, वह पुलिस के राजनीतिक इस्तेमाल की एक नई कहानी कहता है। मंगलवार की सुबह खबर आई कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में गलत वीडियो चलाने के मामले में छत्तीसगढ़ की पुलिस जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन के घर पहुंच गई है। बाद में पता चला कि वहां गाजियाबाद पुलिस भी पहुंच गई है और दोनों पुलिस बलों में बहस हो गई। थोड़ी ही देर में नोएडा पुलिस वहां पहुंची और रोहित रंजन को हिरासत में लेकर चली गई। नोएडा पुलिस ने भी रंजन को उसी मामले में हिरासत में लिया है, जिस मामले में उन्हें गिरफ्तार करने छत्तीसगढ़ की पुलिस आई थी। बेशक जिस मामले को लेकर यह सब हुआ, वह कई तरह से गंभीर है। इसमें राहुल गांधी के एक वीडियो को गलत संदर्भ में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया। मुमकिन है कि सोशल मीडिया पर मिले वीडियो को बिना किसी जांच-परख के प्रसारित कर दिया गया हो। हालांकि, इसके लिए चैनल ने माफी भी मांग ली है। फिर भी क्या ऐसी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए? क्या यह ऐसा मामला है, जिसमें एंकर को सीधे गिरफ्तार कर लिया जाए, वह भी बिना यह जांच किए कि गलती किस स्तर पर किसकी थी?

सुप्रीम कोर्ट यह कह चुका है कि जमानत किसी भी नागरिक का अधिकार है और गिरफ्तारी अपवाद स्वरूप ही होनी चाहिए। लेकिन हमारा पुलिस बल किसी भी मामले को अपवाद बना देने में महारत हासिल कर चुका है। ऐसे पत्रकार और न्यूज एंकर निशाने पर आ चुके हैं, जिनके फरार होने की बात सोची भी नहीं जा सकती। कुछ दिन पहले जब दिल्ली पुलिस ने अल्ट न्यूज के सह संस्थापक मुहम्मद जुबैर को उनके चार साल पुराने एक ट्वीट पर गिरफ्तार किया गया, तो विरोध करने वालों ने उनकी गिरफ्तारी पर सवाल नहीं उठाए, बल्कि यह कहा कि फलां को तो गिरफ्तार नहीं किया था, तो इन्हें क्यों किया? गिरफ्तारी कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे कुछ खास स्थितियों में ही आजमाना चाहिए, पर अब उसका इस्तेमाल सबक सिखाने के लिए होने लगा है। ऐसी गिरफ्तारियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीति से ही जुड़ी होती हैं।

पुलिस का इस्तेमाल अब अपराध नियंत्रण के अलावा राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए होने लगा है, जिसके लिए राज्यों की पुलिस अब देश भर में कहीं भी किसी की गिरफ्तारी करने पहुंच जाती है। इसके लिए नियम-कायदों व परंपराओं को भी ताक पर रखा जाने लगा है। रोहित रंजन ने जब अपने ट्वीट में इस सवाल को उठाया कि छत्तीसगढ़ की पुलिस स्थानीय पुलिस को बिना जानकारी दिए उसे गिरफ्तार करने पहुंची है, तो इस पर छत्तीसगढ़ की पुलिस का जवाब था कि ऐसा कोई नियम नहीं है। इसके लिए राज्यों की पुलिस में आपस में उलझने लगी हैं। खासकर उन राज्यों की पुलिस, जहां एक-दूसरे के विरोधी दलों की सरकारें हैं। पिछले दिनों पंजाब पुलिस दिल्ली के एक भाजपा नेता को बिना स्थानीय पुलिस को जानकारी दिए छापामार शैली में गिरफ्तार करके ले गई, तो रास्ते में हरियाणा पुलिस ने उसे छुड़ाकर दिल्ली पहुंचा दिया। ऐसी ही एक भिड़ंत हम कुछ समय पहले बिहार और महाराष्ट्र की पुलिस में भी देख चुके हैं। यह राजनीतिक दुरुपयोग पुलिस सुधार से ही रोका जा सकता है, लेकिन क्या कोई राजनीतिक दल इस सुधार की बात करेगा? पुलिस की जवाबदेही कायदे-कानून के प्रति होनी चाहिए, सत्तारूढ़ दलों के प्रति नहीं।

गलतियां मानने को मजबूर जॉनसन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने हालात के सामने आखिर घुटने टेक दिए। उन्होंने कहा, 9कंजर्वेटिव पार्टी की यह स्पष्ट राय है कि पार्टी का एक नया नेता होना चाहिए और इसलिए एक नया प्रधानमंत्री भी।" जॉनसन की विदाई के समय हम यह सहज याद कर सकते हैं कि कैसे कांड-दर-कांड का सिलसिला चला और जॉनसन ने २०१९ के चुनावों में जो राजनीतिक पूंजी अर्जित की थी, वह धीरे-धीरे गायब होती गई। उन्हें जो व्यापक जनादेश मिला था, उसका फायदा वह नहीं उठा पाए, क्योंकि जो अनुशासन उनके प्रशासन में होना चाहिए था, वह कमोबेश नदारद रहा। जिस तेजतर्रार तेवर के साथ जॉनसन ने ब्रेग्जिट अभियान को अपने हाथों में लिया था और उसके बाद २०१९ के आम चुनाव में जीत हासिल की थी, उस तेवर को वह बरकरार नहीं रख पाए। इसी वजह से विगत कुछ महीनों से उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को लगातार झटके लगते आ रहे थे और नौबत यहां तक आ गई कि अनेक मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया।

जॉनसन के खिलाफ शिकायतों की लंबी सूची है। जब कोरोना की लहर चल रही थी, देश में लॉकडाउन लगा था, तब प्रधानमंत्री के आवास १० डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टी या उत्सव का आयोजन हो रहा था। इसे पार्टीगेट स्कैंडल नाम दिया गया। आरोप लगा, तो शुरू में जॉनसन ने पार्टी के आयोजन से ही इनकार कर दिया, लेकिन बाद में उन्होंने गलती मान ली और जुर्माना भी चुकाया। डिप्टी चीफ ह्वीप पद पर क्रिस पिंचर की नियुक्ति को लेकर भी विवाद हुआ। जॉनसन जानते थे कि पिंचर पर यौनाचार संबंधी आरोप हैं, फिर भी उन्हें नियुक्त किया। आरोप लगने के तुरंत बाद उन्होंने सच नहीं स्वीकारा, पर बाद में कागजों से पता चल गया कि पिंचर के बारे में प्रधानमंत्री को पूरी सूचना थी, प्रधानमंत्री को फिर गलती माननी पड़ी।

खैर, मई में जब उपचुनाव हुए, तो जॉनसन की कंजर्वेटिव पार्टी अपनी पारंपरिक सीटों पर भी हार गई। तब से जॉनसन के खिलाफ अभियान में तेजी आई, कंजर्वेटिव पार्टी के नेता सोचने लगे कि जॉनसन के रहते पार्टी चुनाव नहीं जीत पाएगी। वैसे भी अभी ब्रिटेन में आर्थिक स्थिति खराब चल रही है। यह धारणा भी है कि जॉनसन के नेतृत्व में जो ब्रेग्जिट हुआ, उसकी वजह से पार्टी को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यह धारणा भी मजबूत हुई कि ब्रिटेन को कुशल नेतृत्व की जरूरत है, जो प्रधानमंत्री नहीं दे पा रहे हैं।

ताजा जनमत सर्वेक्षण यदि आप देखें, तो सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव के मुकाबले लेबर पार्टी अभी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। जिस लेबर पार्टी की जीतने की संभावना नहीं थी, आज ऐसा लग रहा है कि अगर चुनाव हों, तो वह जीत जाएगी। अतः कंजर्वेटिव चिंतित हो गए हैं। उनकी तमाम चिंताओं को अगर जोड़ें, तो जॉनसन की ईमानदारी पर बात आ जाती है। क्या उन पर विश्वास किया जा सकता है? क्या वह इतने सक्षम नहीं हैं कि सही ढंग से प्रशासन संभाल सकें और मुश्किल समय में देश का नेतृत्व कर सकें? ब्रिटेन की जनता क्या किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा कर सकती है, जो बार-बार झूठ बोलते पाया जा रहा है? बोरिस जॉनसन ने एक के बाद एक ऐसे अनेक फैसले लिए हैं, जिनसे ऐसा लगता है कि उनकी या तो कुशल प्रशासन में रुचि नहीं है या फिर वह इतने अनुशासित नहीं हैं कि ब्रिटेन का नेतृत्व कर सकें।

जब पिंचर वाला मामला गरमाया, तब जॉनसन की पार्टी पर जो पकड़ थी, वह २४ घंटे में ही खत्म हो गई। वह मजबूर हो गए हैं। कल तक वह कह रहे थे कि मेरे इस्तीफा देने का कोई सवाल नहीं उठता। लोगों ने साल २०१९ में मुझे भारी जनादेश दिया है, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि उनके पास जनादेश भी नहीं है, कंजर्वेटिव पार्टी का समर्थन भी नहीं है। उनके करीबी भी बोलने लगे थे कि उन्हें सत्ता छोड़ देनी चाहिए।

अब ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा बदलाव आने की संभावना है, इसमें लेबर पार्टी का जो उभार आ रहा है, हो सकता है कि उसके नेता चुनाव जीत जाएं। सत्ता स्थानांतरित होती दिख रही है। दो दशक से कंजर्वेटिव ने सत्ता पर कब्जा किया हुआ था, लेकिन अब सत्ता लेबर की ओर जाती दिख रही है। कंजर्वेटिव के अंदर जो विभाजन हैं, वे बढ़ते नजर आ रहे हैं। जॉनसन अगले प्रधानमंत्री के चुने जाने तक प्रधानमंत्री रहना चाहते हैं, लेकिन सवाल है कि क्या उनकी पार्टी उन्हें यह मौका देगी? तय है, आने वाले दिनों में कंजर्वेटिव के बीच विवाद बढ़ेगा।

जॉनसन के जाने का अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। विदेश नीति को लेकर ब्रिटेन में आम सहमति रहती है। बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हां, चूंकि जॉनसन ब्रेग्जिट के नेता थे, इसलिए लेबर पार्टी के सत्ता में आने पर स्थिति बदल सकती है। कई लेबर नेता हैं, जो यह चाहते हैं कि ब्रिटेन फिर यूरोपीय संघ का हिस्सा बन जाए। जॉनसन ने यूरोपीय संघ के खिलाफ बहुत सख्त रुख अपना रखा था, अब उसमें नरमी की संभावना बन रही है। जो बड़े मुद्दे हैं, चाहे वह अमेरिका के साथ ब्रिटेन का संबंध हो या एशिया-प्रशांत में ब्रिटेन की भूमिका हो या चीन के खिलाफ नीति या हिन्दुस्तान के साथ गर्मजोशी की बात हो, इन पर लोगों की निगाह होगी। जॉनसन प्रशासन को बहुत हद तक भारत समर्थक माना जाता था। इसमें बदलाव की संभावना नहीं दिखती। जो भी सत्ता में आएगा, वह भारत के साथ संबंधों को आगे बढ़ाएगा। एफटीए में भी कोई परेशानी नहीं आएगी।

एनजीओवाद की कोख से उपजे आंदोलनजीवी...!

डॉ. अजय खेमरिया

भारत के दिवंगत सीडीएस जनरल विपिन रावत ने एक बार कहा था कि देश को ढाई मोर्चे पर युद्ध लड़ना पड़ रहा है।एक मोर्चा चीन, दूसरा पाकिस्तान और आधा घर के अंदर सिविल सोसाइटी के भेष में सक्रिय माओवादी, नक्सलवादी, एनजीओवादी, एकेडेमिक्स, एक्टिविस्ट, वकील, मीडिया और एक बड़ा वर्ग सेक्यूलर राजनीतिज्ञों का।असंदिग्ध रूप से भारत इस ढाई मोर्चे पर युद्धरत है। असल में भारत की संसदीय राजनीति और प्रशासन एक संविधानेत्तर आन्दोलनजीवी फौज से भी जूझ रहा है। लेफ्ट लिबरल विचारधारा ने जिस अभिजन वर्ग को अपने प्रभाव में ले रखा है उसने भारत विरोधी एजेंडे पर काम करते हुए शासन,राजनीति और समाज के एक वर्ग की अधिमान्यता भी हासिल कर रखी है। कभी कृषि विशेषज्ञ, कभी राजनीतिक विश्लेषक, कभी मानवाधिकार कार्यकर्ता, कभी फैक्ट चेकर, कभी विधिवेत्ता हर भेष में हमें यह नजर आते हैं।हर उस बदलाव का विरोध करना इनका मूल धर्म है जो भारत में सामाजिक बदलाब की बुनियाद रखता है।भारत का आत्मगौरव भाव, बहुसंख्यक चेतना, उसकी अस्मिता,संस्कृति और लोकपरंपरा, अल्पसंख्यकवाद के आगे इनके लिए नफरत और हिकारत के विषय है। झूठ और सफेद झूठ की सीमा तक नैरेटिव गढ़ना इनका एकमेव एजेंडा हैं। दुर्भाग्य से स्वाधीनता के बाद इस गिरोहबंदी को सत्ता प्राधिकार से भरपूर संरक्षण और अंध समर्थन प्राप्त रहा है। तीस्ता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा है उसे स्वयंभू राष्ट्रीय चरित्र की मीडिया में कहां और कितनी जगह मिली है?

इसका तथ्यान्वेषण करें तो गृहमंत्री अमित शाह की बात प्रमाणित होती है जिसमें वे भारत विरोधी त्रिगुट के हिस्से के तौर पर मीडिया को शामिल करते हैं। सच्चाई यह है कि तीस्ता इस गठजोड़ की प्रतिनिधि भर है। देश में ऐसे एनजीओ और उनके सरपरस्त भरे पड़े हैं। यूपीए सरकार के समय ताकतवर सामाजिक कार्यकर्ता रहे पूर्व ब्यूरोक्रेट हर्ष मन्दर इस समय देश से फरार चल रहे हैं। उनके जलवे किसी से छिपे नहीं हैं। राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में बैठकर हर्ष मन्दर ने देश भर में अपना नेटवर्क खड़ा किया। बगैर अनुमति के बीसियों चिल्ड्रन होम खोलकर उनमें रहने वाले अनाथ बच्चों को नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध धरनों में बिठाया गया। एनसीपीसीआर(राष्ट्रीय बाल आयोग) की जांच में अवैध धनशोधन प्रमाणित हुआ। बच्चों के कन्वर्जन से लेकर अराजकता की सीमा तक मानस बनाने के मामले सामने आ चुके हैं। फोर्ड फाउंडेशन, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ग्रीन पीस, डॉन वास्को, मिरेकल,एक्शन एड, केन असिस्ट, उदयन केयर, वर्ल्ड विजन, बोन्दी मुक्ति संगठन, हम, जकात, सबरंग, हासमी ट्रस्ट, सद्भावना,कंपेशन इंटरनेशनल, यंग मैन्स, पीएफआई, नव सर्जन ट्रस्ट, पीपुल्स वाच,अनहद,कबीर, लायर्स कलेक्टिव जैसे सैकड़ों एनजीओ हैं जिनके विरुद्ध पिछले आठ सालों में ऐसी गंभीर शिकायतें सरकार के पास आई हैं। यह शिकायतें भारत में अराजकता निर्मित करने के मंसूबों को प्रमाणित करती हैं।

सच्चाई यह है कि देश में एनजीओवाद की जमीन पर ही सेक्यूलर राजनीति खड़ी रही है। इसका बौद्धिक दायरा मीडिया से लेकर राजनीतिक दलों के नीति निर्माण, विश्विद्यालय और प्रशासन तक स्वयंसिद्ध है।सोनिया गांधी की अध्यक्षता में यूपीए की केंद्र सरकार को गवर्न करने वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद असल में एनजीओवाद के चरम प्रभाव का उदाहरण ही था। इस परिषद में अरुणा राय, हर्ष मन्दर, ज्या द्रेज, दीप जोशी, मिराई चटर्जी, अनु आगा, फराह नकवी, एके शिवकुमार जैसे चेहरे शामिल थे जो अपने लेफ्ट लिबरल एजेंडे के लिए जाने जाते हैं। बुनियादी रूप से यह समझने की आवश्यकता है कि एनजीओ एक राजनीतिक ताकत हैं जिसका उद्देश्य भारत में उस विदेशी एजेंडे को बरकरार रखना है जिसके अंतर्गत यहां समाज में अल्पसंख्यकवाद, माओवाद, नक्सलवाद और आतंकवाद को तुष्टिकरण की आड़ में तार्किक और न्यायिक साबित किया जाता रहे। भारत के अभ्युदय या सशक्तिकरण की संभावनाओं को सिविल सोसायटी की आड़ में हमेशा कमजोर बनाया रखा जाए। झूठ और मिथ्या भय के नाम पर समाज में अराजकता की सीमा तक जाकर अपने नियोजित एजेंडे को लागू करना एनजीओवाद का मूल धर्म है। इसके लिए भारत से बाहर फंडिंग की एक पूरी आर्थिकी सत्तर साल से सक्रिय है। देश के अंदर सेक्यूलर राजनीति ने इसे अपने सीने से कंगारू के बच्चों की तरह चिपकाकर सदैव संरक्षण प्रदान किया। इस एनजीओवाद के विरुद्ध मोदी सरकार ने बेशक बहुत सख्त कदम उठाए हैं। विदेशी फंड हांसिल करने के लिए एफसीआरए में संशोधन किए। इस कानून में संशोधन से पहले वर्ष २०१० से २०१९ के बीच विदेशी चंदे की आमद दोगुनी दर से बढ़ी पाई गई। २०१६ - १७ और २०१८-१९ में विदेशों से ५८ हजार करोड़ भारतीय एनजीओ के खातों में दर्ज हुआ। अकेले अमेरिका से यह आंकड़ा तीन खरब और फ्रांस से दो अरब दर्ज है।करीब २२५०० एनजीओ ऐसे रहे हैं जो इस कानून में संशोधन से पहले इस्लामिक देशों, कनाडा, फ्रांस, अमेरिका, कतर, टर्की जापान, चीन जैसे देशों से चंदा हांसिल करते रहे हैं। सरकार ने करीब २१ हजार ऐसे एनजीओ के लाइसेंस निरस्त किये हैं। इसके बाबजूद देश मे पंजीकृत ३३ लाख एनजीओ में से महज १० फीसद ही अपने हिसाब किताब सरकार को साझा करते रहे हैं।समझा जा सकता है कि देश में एनजीओ का नेटवर्क किस सशक्त संरक्षण के साथ खड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री जिन आंदोलनजीवियों की ओर इशारा करते हैं असल में वह एनजीओवाद का ही एक संस्करण भर है।

तीस्ता अकेली भर नहीं है। इस खेल की खिलाड़ी, असल में इसी एनजीओवाद से निकलकर आम आदमी पार्टी संसदीय व्यवस्था को कब्जाने का एक उदाहरण भी है जो भविष्य के खतरनाक संकेतक भी है। अरविंद केजरीवाल भी मूलतः इसी फौज के एक चतुर खिलाड़ी हैं। जिस समय अरुणा राय, सोनिया गांधी के साथ मिलकर राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में काम कर रही थीं उसी दौर में अरविंद केजरीवाल अरुणा के साथ मिलकर सरकारी सेवा में रहते हुए परिवर्तन नामक एनजीओ को खड़ा कर रहे थे। २००६ में ही उन्हें फोर्ड फाउंडेशन और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड ने रेमन मैग्सेसे पुरस्कार दिलवा दिया। उभरते नेतृत्व के नाम पर केजरीवाल को यह पुरस्कार किस काम के लिए मिला, इसे आज उनकी राजनीतिक स्थिति के साथ आसानी से समझा जा सकता है। यानी एक पूरा वैश्विक इको सिस्टम है जो एनजीओ के माध्यम से भारत में संसदीय राजनीति को न केवल प्रभावित करता है बल्कि उसमें अपने प्यादे भी फिट कर रहा है। रैमन से मिले धन से अरविंद ने पब्लिक कॉज रिसर्च फाउंडेशन एनजीओ बनाया। इसी बीच वे मनीष सिसौदिया के एनजीओ कबीर के साथ मिलकर अरविंद ने लेफ्ट लिबरल एजेंडे पर काम शुरू कर दिया। कबीर का गठन अगस्त २००५ में हुआ लेकिन फोर्ड फाउंडेशन ने उसे जुलाई २००५ से ही फंड देना शुरू कर दिया था।

कबीर को २००५ में १ लाख ७२ हजार डॉलर एवं २००८ में १लाख ९७ हजार अमेरिकी डॉलर की सहायता मिली।कबीर और परिवर्तन को नीदरलैंड के एनजीओ हिवोस से भी २००८ और २०१२ के मध्य १३ लाख यूरो की सहायता मिली। अमेरिका का एक और एनजीओ है 'आवाज'। इस एमजीओ ने जनलोकपाल आंदोलन समेत दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भी केजरीवाल कम्पनी को फंड उपलब्ध कराया। 'आवाज' ने सीरिया, मिश्र, लीबिया में भी वहां की सरकारों को अस्थिर करने के लिए स्थानीय एनजीओ, एकेडेमिक्स, पत्रकारों को बड़ी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई थी। यूपीए सरकार के कार्यकाल में २००४ से २००८ तक भारत में ४० हजार करोड़ की रकम लेफ्ट लिबरल प्रभाव वाले एनजीओ को हासिल हुई थी।

एनजीओवाद के स्टेक होल्डर्स के रूप में मीडिया के बड़े वर्ग को भी भारत में इसी तर्ज पर फंडिंग की जाती रही है। बदले में इन एनजीओ के गढ़े जाने वाले नैरेटिव को मीडिया समाज मे स्थापित करने का काम करता है। अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा गठित एक संस्था 'पनोस' सामुदायिक विकास की आड़ में फोर्ड फाउंडेशन से मिलने वाले धन को भारत समेत अन्य देशों में मीडिया पर खर्च करता है। राजदीप सरदेसाई जैसे पत्रकारों के संबंध 'पॉपुलेशन काउंसिल' जैसी संस्थाओं से जगजाहिर हैं जिसे अमेरिकी संस्था 'रॉकफेलर ब्रदर्स' फंडिंग करती है। यह संस्था 'फोर्ड फाउंडेशन'के साथ मिलकर मैग्सेसे अवार्ड मैनेज करती है। रवीश कुमार जैसे पत्रकार अगर इसके लिए चयनित होते हैं तो इस पूरे एनजीओ सिस्टम को आसानी से समझा जा सकता है। राणा अयूब को जिस तरह न्यूयार्क टाइम्स आगे रखकर भारत विरोधी एजेंडे पर काम करता है उसे शाहीन बाग और कोविड की दुष्प्रेरित रिपोर्ट से समझना कठिन नहीं है।

किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन बिल, अग्निपथ योजना से लेकर हिजाब और अनुच्छेद ३७० पर मीडिया के चिह्नित बड़े वर्ग का भड़ाकाऊ रुख इसी एनजीओ इको सिस्टम से परिचालित है। वस्तुतः भारत में राजनीति और प्रशासन से लेकर न्यायालय तक एनजीओवाद की गहरी जकड़ में फंसे हुए हैं।अमेरिकी, यूरोपियन और अरब एजेंडे पर काम करने वाला एक सशक्त बौद्धिक तंत्र आज भी हर मोर्चे पर सक्रिय है।राजनीति में आम आदमी पार्टी से लेकर जातिवादी और पारिवारिक क्षेत्रीय दलों को इस इको सिस्टम ने अपना स्थानीय टूल बना रखा है। वैश्विक रूप से इसके वित्तपोषण पर जैसे ही मोदी सरकार ने चोट की तो यह वर्ग देश में सरकारी नीतियों के विरुद्ध आम आदमी को अराजकता की ओर उकसाने में लगा हुआ है। सरकार ने एनजीओवाद की बुनियाद पर कानूनी प्रहार करके इस गिरोहबंदी को तोड़ने का काफी कुछ प्रयास किया है लेकिन सच्चाई यह है कि एनजीओवाद भारत मे यत्र-तत्र सर्वत्र अपनी जड़ें आज भी जमाए हुए है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

निवेशकों को क्यों पसंद आ रहा उत्तर प्रदेश

आर.के. सिन्हा

कोरोना काल के बाद जब निवेशक समाज बहुत सोच-समझकर और फूंक-फूंककर निवेश कर रहा है, तब उत्तर प्रदेश में ८० हजार करोड़ रुपये के निवेश का वादा हो चुका है। यह वादा किया है देश के प्रमुख उद्योग समूहों ने। इसके कई छुपे संदेश हैं। स्पष्ट है कि निवेशकों को आज के दिन उत्तर प्रदेश में निवेश करना लाभ का सौदा नजर आ रहा है। वर्ना कोई निवेशक घाटा खाने के लिए तो कभी भी निवेश करेगा नहीं। उन्हें लगता है कि उत्तर प्रदेश में निवेश करने से उन्हें बेहतर रिटर्न मिलेगा। पिछले कुछ हफ्ते पहले लखनऊ में हुए एक निवेशक सम्मेलन में हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाएं धरातल पर उतरीं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का खुद उपस्थित होना ही अहम था। निवेशक सम्मेलन में देश के नामी उद्योगपति गौतम अडानी, कुमार मंगलम बिड़ला, निरंजन हीरानंदानी, सज्जन जिंदल आदि मौजूद थे।

देखिए, उत्तर प्रदेश अपनी छवि तेजी से बदलता जा रहा है। पहले "उल्टा प्रदेश" कहते थे आज इसे "उत्तम प्रदेश" कहा जा रहा है। अब आप राज्य के किसी भी भाग में हो आइये, आपको बेहतर सड़कें, साफ-सुथरे चमकते बाजार, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल वगैरह देखने को मिलेगा। कानून की व्यवस्था पूरी तरह सही है। उपद्रवी तत्वों को कसा जा रहा है। उनकी कमर तोड़ी जा रही है। यह देश ने कानपुर से लेकर प्रयाग तक में देख लिया। पत्थरबाजों की अक्ल ढंग से ठिकाने लगाई जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाले हर एक निवेशक के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। योगी जी ने निवेशकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेशकों को हरसंभव सहायता दी जाएगी। प्रदेश में न केवल निवेशकों का हित सुरक्षित होगा, बल्कि उन्हें हर प्रकार का संरक्षण और सहयोग भी प्राप्त होगा।

ध्यान रहे कि साल २०१८ में हुए उत्तर प्रदेश निवेशक सम्मेलन में मात्र चार लाख ६८ हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए थे। इस बार निवेश के हिसाब से देखें, तो सर्वाधिक डेटा सेंटर के १९,९२८ करोड़ के सात, कृषि और उससे संबंधित उद्योग के ११,२९७ करोड़ के २७५, आईटी और इलेक्ट्रानिक के ७,८७६ करोड़ के २६, इंफ्रास्ट्रक्चर के ६,६३२ करोड़ के १३ प्रोजेक्ट, मेन्यूफैक्चरिंग के ६,२२७ करोड़ के २७, हैंडलूम और टेक्सटाइल के ५,६४२ करोड़ के ४६, अक्षय ऊर्जा के ४,७८२ करोड़ के २३, एमएसएमई के ४,४५९ करोड़ के ८०५, हाउसिंग और व्यवसायिक के ४,३४४ करोड़ के १९, हेल्थ केयर के २,२०५ करोड़ के आठ, डिफेंस के १,७७४ करोड़ के २३, वेयर हाउसिंग और लाजिस्टिक के १,२९५ करोड़ के २६, एजूकेशन के ११८३ करोड़ के छह, फार्मा और मेडिकल सप्लाई के १०८८ करोड़ के ६५, टूरिज्म और हास्पिटलिटी के ६८० करोड़ के २३, डेयरी के ४८९ करोड़ के सात, पशुपालन के २२४ करोड़ के छह और सौ करोड़ की लागत से फिल्म का एक प्रोजेक्ट आया है।

बहुत साफ है कि उत्तर प्रदेश देश-दुनिया के निवेशकों को यह बताना चाहता है वे नोएडा, ग्रेटर नोएडा या कुछ अन्य शहरों से बाहर जाकर भी निवेश कर सकते हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा आईटी, इलेक्ट्रानिक सामान और आटोमोबाइल सेक्टर के हब बन चुके हैं। ग्रेटर नोएडा में दक्षिण कोरिया की एलजी इलेक्ट्रानिक्स, मोजर बेयर, यमाहा, न्यू हालैंड ट्रेक्ट्रर्स, वीडियोकॉन इंटरनेशनल, श्रीराम होंडा पॉवर इक्विमेंट तथा होंडा सिएल कारों का उत्पादन हो रहा है। ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों की चोटी की कंपनियां हैं। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रानिक सामान का उत्पादन करने वाली इकाइयां काफी संख्या में की हैं।

क्यों नोएडा और ग्रेटर नोएडा देखते-देखते प्रमुख मैन्यूफैक्चरिंग हब बन गये? बेशक, इसकी वजहें बहुत साफ हैं। दरअसल बेहतर सड़क लिंक, चौबीस घंटे पानी की सप्लाई तथा यहां से देश के उत्तर, पूर्व तथा पश्चिम राज्यों के बाजारों में पहुंचने की सुविधा के चलते नोएडा और ग्रेटर नोएडा स्थापित हो गए। इसके अलावा इन दोनों शहरों में श्रेष्ठ स्कूल, कॉलेज और अस्पताल भी बन चुके हैं। भारत के सबसे धनी उद्योगपति बन चुके अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने भी उत्तर प्रदेश में भारी-भरकम निवेश करने का वादा किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में ७० हजार करोड़ रुपए के निवेश का भरोसा दिया। इससे करीब ३० हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें से ३५ हजार करोड़ रुपये का निवेश मल्टीमोडल लॉजिस्टिक, २४ हजार करोड़ का निवेश रोड एवं इंफ्रास्ट्रक्चर और कानपुर में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा ऐम्यूनिशन कॉम्प्लेक्स शामिल है।

यह समझना जरूरी है कि देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश का विकास किए बगैर भारत का विकास अधूरा ही रहेगा है। भारत की सफलता उत्तर प्रदेश की सफलता पर ही निर्भर करती है। उत्तर प्रदेश का संबंध राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, तुलसी और रविदास से भी है। इसलिए इस महान प्रदेश के महत्व से कौन इनकार करेगा। राम की जन्मभूमि अयोध्या और कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा। इसी उत्तर प्रदेश के सारनाथ में बुद्ध ने धामेक स्तूप में अपना पहला उपदेश मगध शासन के अधीन दिया था। इसी उत्तर प्रदेश में तुलसीदास, कबीर और रविदास जैसे संत भी पैदा हुए हैं। उत्तर प्रदेश में ही बौद्ध मत की हृदयस्थली व जैन मत की उदगम स्थली भी है। उत्तर प्रदेश के समावेशी चेहरे को देखने के लिए कभी काशी हो आइये। यहां के सेंट थॉमस चर्च के बारे में मान्यता है कि प्रभु ईसा के १२ शिष्यों में से एक सेंट थॉमस यहां आए थे। माना जाता है कि वह अरब सागर पार करके केरल में आए थे, जहां उन्होंने ईसाई धर्म का प्रसार किया था। वहां से वे काशी आए थे।

उत्तर प्रदेश तो भारत की प्राण और आत्मा है। अगर बात हालिया दौर की करें तो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक देश के १५ में से ९ प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। इनमें लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेयी भी शामिल हैं। अब जो सूबा देश को इतने प्रधानमंत्री देगा उसे आर्थिक मोर्चे पर भी सशक्त तो होना होगा। इसलिए गुजरे कुछ सालों से उत्तर प्रदेश अपने को इनवेस्टर फ्रेंडली राज्य बनाने की तरफ बढ़ रहा है ताकि प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर बुलंदियों को छू ले।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

जगदलपुर : बस्तर फाईटर्स की लिखित परीक्षा में ५४०५ अभ्यार्थी होंगे शामिल : सुन्दरराज पी.

जगदलपुर: बस्तार आईजी सुन्दरराज पी. ने बताया गया कि बस्तर संभाग अंतर्गत क्षेत्र की शांति, सुरक्षा एवं विकास कार्यों सहित स्थानीय वनांचल के युवा-युवतियों को रोजगार का अवसर प्रदाय करने के उद्देश्य से बस्तर फाईटर्स आरक्षक भर्ती प्रक्रिया अंतर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षा में योग्य पाये गये अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा बस्तर संभाग के समस्त जिला मुख्यालयों में १७ जुलाई को आयोजित की जा रही है। बस्तर फाइटर्स लिखित परीक्षा में ५४०५ उम्मीद्वार शामिल होंगे। १५ अगस्त के पूर्व अभ्यर्थियों की प्राप्तांकों के आधार पर अंतिम चयन सूची जारी का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होने बताया कि बस्तर फाईटर्स आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के तहत ०९ मई से १५ जून तक अभ्यथियों का दस्तावेजों की छानबीन, शारीरिक मापतौल एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा की कार्यवाही की गई। जिसमें शारीरिक दक्षता परीक्षा कुल १०० अंकों परीक्षा की कार्यवाही सम्पन्न की गई। शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् ४,६८९ पुरूष, ७०७ महिला एवं ०९ तृतीय लिंग उम्मीद्वार के साथ कुल ५४०५ उम्मीद्वार आगामी १७ जुलाई को आयोजित लिखित परीक्षा हेतु योग्य पाये गये है।

उन्होने बताया कि १७ जुलाई २०२२ को होने वाले लिखित परीक्षा के लिए १२ जुलाई से १५ जुलाई तक संभाग के समस्त जिला मुख्यालयों में अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र वितरित किया जावेगा। उक्त ०४ दिवसों में किसी भी एक दिन अभ्यर्थी द्वारा अपनी सुविधा अनुसार प्रातः १० बजे से सायं ०५ बजे के बीच संबंधित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जाकर शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान दिये गये प्रवेश पत्र साथ ले जाकर आगामी लिखित परीक्षा के प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते है। लिखित परीक्षा १७ जुलाई को निर्धारित परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थियों की प्रातः ०८ बजे से बायोमेट्रिक शिनाख्ति पश्चात् ही परीक्षा केन्द्र के कक्ष में प्रवेश दी जावेगी। लिखित परीक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश अभ्यर्थियों को जारी प्रवेश-पत्र में उल्लेख की गई है। लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी के प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची अनुसार प्रत्येक जिले में अधिकतम ९०० अभ्याथियों का संबंधित जिला मुख्यालय में माह अगस्त २०२२ के प्रथम सप्ताह में साक्षात्कार लिया जाएगा।

रायगढ़ : छात्र से मारपीट, कलेक्टर ने गठित की जांच समिति, स्कूल प्रबंधन ने किया शिक्षिका को निलंबित

रायगढ़, ८ जुलाई (हि.स.)। कार्मेल कान्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल रायगढ़ में कक्षा नर्सरी के छात्र पर स्कूल की शिक्षिका द्वारा विद्यालय में मारपीट किए जाने की घटना की शिकायत की गई थी। मामला संज्ञान में आते ही प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर रानू साहू ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर मामले की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिसमें आयुक्त नगर पालिक निगम संबित मिश्रा, एसडीएम रायगढ़ गगन शर्मा व जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य को संयुक्त रूप से समिति में शामिल कर जांच के लिए स्कूल भेजा गया। ८ जुलाई २०२२ को जांच दल द्वारा प्रकरण की जांच विद्यालय में जाकर की गई। उनके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ कर जानकारी एकत्रित की गई। प्रकरण में प्रथम दृष्टया कार्यवाही करते हुए विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा घटना के समय कक्षा में उपस्थित शिक्षिका सोनिया पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण के लिए चिकित्सा विभाग को पालक के साथ भेजा गया है। समिति द्वारा विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने पश्चात आगामी कार्यवाही की जावेगी।

अर्जुन मुंडा ने सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, दिए निर्देश

जिला समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

गुमला, : जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री सह सांसद सुदर्शन भगत व राज्यसभा सांसद समीर उरांव भी उपस्थित थे। बैठक में मुंडा ने विभागवार योजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, सांसद मद, विधायक मद, सांसद आदर्श ग्राम योजना, एन.आर.एल.एम, श्याम प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राष्ट्रीय उच्च पथ, पथ प्रमंडल, कृषि, उद्योग, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत, आपूर्ति, जिला योजना, नगर परिषद, समाज कल्याण आदि से संबंधित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं को ससमय पूर्ण कराए जाने के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिए। साथ ही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी उसकी जानकारी दिए जाने को कहा ताकि कार्य गुणवत्तायुक्त हो सके। पूर्व की बैठक की कार्यवाही के अनुपालन की समीक्षा के क्रम में अनुपालन प्रतिवेदन में उठाए गए बिदुओं पर मुंडा ने निर्धारित समय-सीमा के अन्दर सभी लंबित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

सोलर जलापूर्ति योजना की समीक्षा के क्रम में अच्छे गुणवत्ता वाले सोलर सिस्टम लगाने तथा ग्रामीणों को भी इस दिशा में ट्रेनिंग उपलब्ध कराने को कहा ताकि किसी भी प्रकार के छोटे-मोटे कार्यों के लिए ग्रामीण आत्मनिर्भर बने रहें। पथ निर्माण के कार्यों की धीमी गति को देखते हुए मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द सभी लंबित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जल जीवन मिशन के तहत सभी ग्रामीणों क्षेत्र तक नल से जल उपलब्ध कराने की बात कही। केवल ऊपरी स्तर पर कार्य करके रिपोर्ट तैयार न करने की नसीहत दी, बल्कि सही में प्रत्येक व्यक्ति तक जल की सुविधा उपलब्ध हो उसके लिए कार्य करने की बात कही। जल संग्रहण की दिशा में भी कार्य करने की बात कही। उपायुक्त के स्तर से बिजली चोरी का जांच करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सांसद सुदर्शन भगत, सांसद समीर उरांव, पुलिस अधीक्षक डा. ऐहतेशाम वकारीब, वन प्रमण्डल पदाधिकारी श्रीकांत, उप विकास आयुक्त हेमंत सती के अलावा सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिता की हत्या के लिए बेटी ने प्रेमी को दी थी हीरे की अंगूठी

-पूर्व विधायक के साले कन्हैया सिंह हत्याकांड का खुलासा

-कन्हैया की बेटी, उसका प्रेमी और दो शूटर गिरफ्तार

सरायकेला: ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह के साले कन्हैया सिंह की हत्या का सच आखिर सामने आ ही गया। उसकी सगी बेटी अपर्णा ने ही प्रेमी राजबीर सिंह से मिलकर पिता की हत्या कराई थी। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो की धर-पकड़ के लिए छापेमारी हो रही है। इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड का खुलासा करते हुए एसपी आनंद प्रकाश ने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल कन्हैया सिंह की बेटी अपर्णा सिंह, उसके प्रेमी राजबीर सिंह, शूटर निखिल गुप्ता और सौरभ किस्कु को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें शामिल दो अन्य अपराधी छोटू एवं रवि सरदार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। उन्होंने बताया कि विगत तीन साल से इसकी साजिश चल रही थी। अपने पिता की हत्या कराने के लिए अपर्णा ने राजबीर को हीरे की अंगूठी दे दी थी। हालांकि, अंगूठी बेचकर पैसे जुटाने की बजाय राजबीर ने खुद पैसे शूटर को दिए।

एसपी ने बताया कि एमबीए की पढ़ाई कर रही अपर्णा का राजबीर से प्रेम प्रसंग काफी पहले शुरू हो चुका था। इसकी भनक कन्हैया सिंह को मिली तो बेटी को समझाने की बजाय वे राजबीर के घर जा धमके और उसको पिस्तौल का भय दिखाया। साथ ही उसके परिजनों के साथ गाली-गलौज भी की। तब राजबीर परिवार के साथ आदित्यपुर के मांझी टोला में रहता था।

कन्हैया सिंह की वजह से राजबीर के परिजनों को मांझी टोला छोड़ना पड़ा और वे जमशेदपुर स्थित मानगो के डिमना रोड में शिफ्ट कर गए। तब कन्हैया ने बेटी की शादी अन्यत्र कराने की योजना बनाई और योग्य लड़के की तलाश शुरू कर दी। इससे बेटी अर्पणा और उसके प्रेमी राजबीर की बेचैनी बढ़ गई और दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बना डाली। हत्या के लिए शूटर के रूप में राजबीर के साथी निखिल गुप्ता का चयन हुआ। निखिल को कट्टा कांग्रेस नेता छोटेराय किस्कू के बेटे सौरभ किस्कू ने मुहैया कराया था। कट्टा बिहार से मंगाया गया और फिर कन्हैया सिंह का काम तमाम कर दिया गया।

हत्या का पूरा प्लान मोबाइल पर राजबीर ने अपर्णा को शेयर किया था। हत्या की साजिश तीन साल से ही चल रही थी। विगत २० जून को भी पटना में कन्हैया सिंह की हत्या का प्रयास किया गया था लेकिन हत्यारे अपनी मंशा में सफल नहीं हो सके। इसके बाद विगत २९ जून को कन्हैया सिंह को रास्ते से हटाने में सफलता मिली। उस दिन निखिल गुप्ता ने सौरभ किस्कू, छोटू दिग्गी और रवि सरदार के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया था।

छत्तीसगढ़ -२१ से २४ जुलाई तक १२ ट्रेनों को किया गया रद्द

रायपुर: रेलवे ने तीसरी लाइन कनेक्टिविटी का कारण बताते हुए २१ से २४ जुलाई तक १२ ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। एक सप्ताह पहले ही रेलवे ने छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली ५० से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है।पिछले तीन दिनों में ६३ ट्रेनों के पहिए थमे हैं। मंगलवार को १८ ट्रेनों को सात से २० जुलाई तक रद करने का निर्णय लिया गया था। वहीं, २५ से ९ जुलाई तक के लिए २१ एक्सप्रेस और १२ मेमू ट्रेनों को गत दिनों रद किया गया था, जिसे बुधवार को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया गया।दक्षिण मध्य रेलवे में काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी के चलते ९ जुलाई को कोरबा कोचुवेली और १२ जुलाई को यशवंतपुर-कोरबा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी।रेलवे के अधिकारियों के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल के बुढ़ार-शहडोल सेक्शन के सिंहपुर रेलवे स्टेशन में तीसरी रेल लाइन का विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है।

रद्द होने वाली गाड़ियां:२१ से २३ जुलाई तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १८२५७ बिलासपुर-चिरिमिरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

२२ से २४ जुलाई तक चिरिमिरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १८२५८ चिरिमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२३ जुलाई को उदयपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या २०९७१ उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

२४ जुलाई को शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या २०९७२ शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२१ जुलाई को वलसाड से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या २२९०९ वलसाड-पुरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२४ जुलाई को पूरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या २२९१० पूरी-वलसाड एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२१ एवं २३ जुलाई को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १२८२३ दुर्ग-निजामुद्दीन एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२२ एवं २४ जुलाई को निजामुद्दीन से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १२८२४ निजामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

२२ जुलाई को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १८२०१ दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२४ जुलाई को नौतनवा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १८२०२ नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२१ से २३ जुलाई तक बरौनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५२३१ बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस रद्द रहेगी।२२ से २४ जुलाई तक गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या १५२३२ गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

बदहाल नारायणपुर-ओरछा मार्ग को लेकर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

नारायणपुरः जिले के ग्राम छोटेडोंगर में ०७ पंचायत के सैकड़ों ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह छोटेडोंगर हाईस्कूल के पास बदहाल नारायणपुर-ओरछा मार्ग को लेकर मुख्य सड़क पर चक्काजाम कर दिया, जिससें पूरा आवागमन अवरुद्ध हो गया। छोटेडोंगर में ग्रामीणों द्वारा मुख्य मार्ग में चक्काजाम करने से ओरछा से मुख्यालय के लिए यात्री बस भी घंटों छोटेडोंगर में ही फंसी रही। नायब तहसीलदार मुकेश ठाकुर एसडीओपी अभिषेक पैकरा व टीआई अजय सोनकर ग्रामीणों से मिलने धरना स्थल पर पहुंचने पर नाराज ग्रामीणों ने निको कंपनी व शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क का निर्माण जल्द करने की मांग की गई। आमदई खदान में कार्यरत स्थानिय मजदूरों ने भी आमदई खदान में कार्य बंद कर ग्रामीणों के आंदोलन में शामिल होकर अपना समर्थन दिया।

ग्रामीणों ने अपनी मांगों का पोस्टर हाथ में लेकर शासन-प्रशासन से नाराजगी जाहिर करते हुए निको जायसवाल की भारी वाहनों के कारण सड़क में चलना दूभर होने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने का कहना है कि सरकार सड़क हमारी सुविधा के लिए बनाई है, लेकिन सड़क की क्षमता से कई गुना ज्यादा लौह अयस्क लादकर आमदई खदान में रोजाना ५०-६० वाहन से परिवहन किया जा रहा है, इससे नारायणपुर ओरछा मार्ग में बड़े बड़े गड्ढे हो गये हैं। ग्रामीणों का इस मार्ग में पैदल चलना तक दुभर हो गया है, जर्जर सडक़ की वजह से आये दिन दुर्घटना में कई लोगों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ा है।प्रशानिक अधिकारियों द्वारा काफी देर तक ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की गई। इस बीच नायब तहसीलदार मुकेश ठाकुर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि प्रशासन द्वारा नारायणपुर ओरछा मार्ग का नये सिरे से निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, जिसकी मंजूरी मिलते ही सीध्र ही सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के करीबी पंकज मिश्रा समेत कई के ठिकानों पर ईडी का छापा

रांची, ०८ जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और अन्य लोगों के ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा है। यह छापे साहिबगंज और रांची जिले में नौ ठिकानों पर मारे गए हैं। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम शुक्रवार सुबह पौने सात बजे साहिबगंज पहुंची। करीब एक दर्जन टीम छापामारी में लगी हैं। रांची के मोरहाबादी में भी ईडी ने छापा मारा है।

पंकज मिश्रा के अलावा उनके करीबी कहे जाने वाले मिर्जाचौकी स्थित कारोबारी राजू, पतरु सिंह और ट्विंकल भगत के घर पर भी ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। इसके अलावा बरहरवा में भी कृष्णा साह समेत तीन पत्थर व्यवसायियों के यहां छापेमारी कर रही है। वेदु खुडनिया, छोटू यादव,बिनोद शाह,दाहू यादव के ठिकानों पर भी छापेमारी जारी है। ये

सभी पंकज मिश्रा के काफी करीबी माने जाते हैं। प्रारंभिक तौर पर बताया जा रहा है कि अवैध खनन के मामले में छापेमारी चल रही है।

साहिबगंज जिले के बरहरवा में जून २०२० के टेंडर विवाद में एक केस दर्ज किया गया था, जिसे ईडी ने टेकओवर कर लिया है। बरहरवा का यह केस शंभु नंदन कुमार उर्फ शंभु भगत ने दर्ज कराया था। उन्होंने टेंडर विवाद के मामले में बरहरवा थाने में मंत्री आलमगीर आलम और पंकज मिश्रा के इशारे पर मारपीट करने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी। लेकिन दोनों ही आरोपितों को साहिबगंज पुलिस ने क्लीन चिट दे दी थी।

उल्लेखनीय है आईएएस पूजा सिंघल प्रकरण में भी कई बार पंकज मिश्रा का नाम सामने आया है। ११ मई को झारखंड में मनी लॉन्ड्रिंग केस में आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी ने गिरफ्तार किया था। पूजा सिंघल फिलहाल सलाखों के पीछे हैं।

व्यापार

अगस्त २०२३ तक पूरी हो सकती है एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी की विलय प्रक्रिया

- सब्सिडियरी कंपनियों का भी होगा एचडीएफसी बैंक में विलय

- ग्राहकों को एक ही जगह मिल सकेंगी बैंकिंग व लोन सुविधाएं

नई दिल्ली, ८ जुलाई (हि.स.)। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी की विलय प्रक्रिया अगले साल अगस्त में पूरी हो सकती है। विलय प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद दोनों कंपनियों की सब्सिडियरी कंपनियों का भी एचडीएफसी बैंक में ही विलय हो जाएगा। इससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को एक ही जगह बैंकिंग और होम लोन समेत सभी सुविधाएं मिल सकेंगी। अभी ग्राहकों को इन सुविधाओं के लिए अलग-अलग इन दोनों कंपनियों या सब्सिडियरी कंपनियों के ब्रांच में जाना पड़ता है। आपको बता दें कि विलय के इस प्रस्ताव को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल चुकी है। इसके अलावा दोनों कंपनियों के विलय प्रस्ताव को २ जुलाई को ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से भी मंजूरी मिल गई है। लेकिन विलय प्रक्रिया पूरी करने के पहले दोनों कंपनियों को अपने-अपने शेयर होल्डर्स और कर्जदाताओं की भी मंजूरी लेनी होगी। इसके अलावा कंपटीशन कमिशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) और नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) से भी इन दोनों कंपनियों के विलय प्रस्ताव को मंजूरी मिलनी बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि इस तिमाही के अंत तक एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के विलय प्रस्ताव को सीसीआई और एनसीएलटी से मंजूरी मिल सकती है।

एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के विलय को इंडियन बैंकिंग इंडस्ट्री का सबसे बड़ा विलय माना जा रहा है। इससे एचडीएफसी बैंक की ताकत काफी बढ़ जाएगी। इस विलय के बाद एचडीएफसी बैंक के देश की सबसे अधिक मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली टॉप ५ कंपनियों में भी शामिल होने के आसार बन जाएंगे। फिलहाल एचडीएफसी देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक है। वहीं एचडीएफसी होम लोन और इस तरह के अन्य कर्ज देने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है।

एचडीएफसी बैंक की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक दोनों कंपनियों की विलय प्रक्रिया पूरी होने के बाद एचडीएफसी बैंक का मालिकाना हक पूरी तरह से पब्लिक शेयर होल्डर्स के पास होगा। इसमें एचडीएफसी के मौजूदा शेयर होल्डर्स की ४१ प्रतिशत की हिस्सेदारी होगी। इस विलय प्रक्रिया के तहत एचडीएफसी के शेयर होल्डर्स को हर २५ शेयर के बदले एचडीएफसी बैंक के ४२ शेयर दिए जाएंगे।

मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक इस विलय प्रक्रिया के पूरा होने के बाद एचडीएफसी बैंक भारतीय स्टेट बैंक के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा भारतीय बैंक बन सकता है। ऐसा होने से जहां उसके ग्राहकों की संख्या में तेजी से विस्तार होगा, वहीं लोन मार्केट में भी एचडीएफसी बैंक की स्थिति और मजबूत हो सकेगी। इस विलय के बाद एचडीएफसी बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपना कारोबार बढ़ाने में काफी सहूलियत होगी, जिससे विदेश में बसे भारतीय या भारतीय मूल के लोगों को तो फायदा होगा ही, विदेशी नागरिकों के जरिए होने वाले कारोबार से भारत को बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा की भी प्राप्ति हो सकेगी।

आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख ३१ जुलाई, समय पर करें दाखिल

नई दिल्ली, ०८ जुलाई (हि.स.)। वित्त वर्ष २०२१-२२ और आकलन वर्ष २०२२-२३ के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की अंतिम तारीख ३१ जुलाई है।

आयकर विभाग ने शुक्रवार को ट्वीट करके अपील की है कि वित्त वर्ष २०२१-२२ और आकलन वर्ष २०२२-२३ के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की अंतिम तारीख ३१ जुलाई २०२२ है। ऐसे में करदाता अंतिम समय में भीड़ से बचने के लिए अपना आईटीआर आयकर विभाग के आधिकारिक वेबसाइट प्र्ुःहम्दर्सूी.दन्.ग्हक्ष्घ्ळें पर जाकर अपना आयकर रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

आयकर विभाग के मुताबिक आईटीआर दाखिल करने की डेडलाइन उन सभी करदाताओं के लिए ३१ जुलाई है, जिनके खातों का ऑडिट करने की आवश्यकता नहीं है। जिन करदाताओं के खातों का ऑडिट करने की जरूरत है, उनके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख ३१ अक्टूबर है। करदाता को यह भी जानकारी होनी चाहिए कि अलग-अलग प्रकार के इनकम वाले व्यक्तियों के लिए अलग-अलग आईटीआर फॉर्म लागू होते हैं।

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए जीओएम की समिति गठित

नई दिल्ली, ०८ जुलाई (हि.स.)। वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी (परिषद) ने हरियाणा के उप- मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह (जीओएम) की एक समिति गठित की है। यह समिति जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) की स्थापना के लिए कानून में जरूरी बदलावों से संबंधित सुझाव देगी। जीओएम वाली समिति ३१ जुलाई, २०२२ तक जीएसटी परिषद को अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चौटाला के अध्यक्षता में गठित जीओएम के लिए नियम एवं शर्तों के मुताबिक ये समिति जीएसटी अधिनियम में आवश्यक संशोधन की सिफारिश करेगी। इसके साथ ही ६ सदस्यीय समूह यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी संशोधन न्यायाधिकरण की स्थापना से संबंधित विभिन्न अदालती फैसलों

के अनुरूप हों। जीओएम अध्यक्ष चौटाला के अलावा इसके अन्य सदस्यों में आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री बुग्गाना राजेंद्रनाथ, गोवा के उद्योग मंत्री मौविन गोडिन्हो, राजस्थान के कानून एवं वैधानिक मामलों के मंत्री शांति कुमार धारीवाल, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और ओडिशा के वित्त मंत्री निरंजन पुजारी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्व सचिव तरुण बजाज ने इसी हफ्ते कहा था कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के गठन के बारे में मंत्रियों की समिति एक महीने के भीतर अपनी सिफारिश देगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद ने अलग-अलग राज्यों की जताई गई चिंता का समाधान निकालने के लिए एक मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था, जिसके बाद माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) का गठन किया गया है।

रुपये में गिरावट जारी, डॉलर के मुकाबले ८२.५० रुपये के स्तर तक गिर सकती है भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली: मुद्रा बाजार में रुपया लगातार कमजोरी का प्रदर्शन कर रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत गिरकर ७९ रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार कर रिकॉर्ड ७९.३८ रुपये के स्तर तक जा चुकी है। आज भी भारतीय मुद्रा ने ७९.२० रुपये प्रति डॉलर के स्तर से कारोबार की शुरुआत की और दिन के पहले कारोबारी सत्र में गिरकर ७९.२५ रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गया।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है की मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के कारण रुपये की कीमत में अभी और गिरावट आने की संभावना बनी हुई है। अगर जल्द ही वैश्विक हालात नहीं सुधरे, तो अगस्त के अंत तक डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा ८२.५० रुपये के स्तर तक भी गिर सकती है। ऐसा होने पर देश में कच्चा तेल समेत अंतरराष्ट्रीय बाजार से आने वाली वस्तुओं की कीमत में काफी इजाफा हो सकता है।

मुद्रा बाजार के जानकारों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर दुनिया के ज्यादातर देशों में महंगाई चरम स्तर तक पहुंच गई है। अमेरिका में महंगाई ने पिछले ४० साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस जबरदस्त महंगाई के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

महंगाई पर काबू पाने के लिए भारत में रिजर्व बैंक समेत दुनिया के ज्यादातर देशों के केंद्रीय बैंकों ने भी ब्याज दर में बढ़ोतरी करने का रास्ता अपनाया है। लेकिन महंगाई पर काबू पाने के लिए अपनाए गए अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस तरीके की वजह से भारतीय मुद्रा संकट में पड़ गई है।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी जारी, २२ हजार डॉलर के करीब पहुंचा बिटकॉइन

नई दिल्ली: क्रिप्टो करेंसी मार्केट में लगातार बढ़त का रुख बना हुआ है। पिछले २४ घंटों के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में अधिकांश लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसीज में तेजी बनी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन पिछले २४ घंटों के दौरान २ प्रतिशत की तेजी के साथ २२ हजार डॉलर के करीब पहुंचकर कारोबार कर रही है।

भारत में काम कर रहे क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज वजीरएक्स की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक बिटकॉइन फिलहाल २१,९९७ डॉलर के स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहा है। इसी तरह एथेरियम ब्लॉकचेन से जुड़ी क्रिप्टो करेंसी ईथर भी २ प्रतिशत की तेजी के साथ १,२५२ डॉलर के स्तर पर पहुंच ट्रेड हो रही है। बिटकॉइन के बाद ईथर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाली क्रिप्टो करेंसी है।

इन दोनों प्रमुख क्रिप्टो करेंसीज के अलावा शीबा इनु में आज ७ प्रतिशत की तेजी बनी हुई है। इसके अलावा छोटी क्रिप्टोकरेंसीज में से डोगेकॉइन, एक्सआरपी, यूनीस्वैप, स्टेलर, लाइटकॉइन, पॉलीगॉन, ट्रॉन, चेनलिंक, टीथर, बीएनबी, एपेकॉइन, पोल्काडॉट और सोलाना में भी पिछले २४ घंटे के कारोबार के दौरान २ से १० प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है।

वैश्विक स्तर पर क्रिप्टो करेंसी मार्केट में पिछले २४ घंटे के दौरान आई बढ़त के बावजूद इसका टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन १ ट्रिलियन डॉलर से कम ही रहा है। पिछले २४ घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैपिटलाइजेशन ९७३ बिलियन डॉलर रहा। क्रिप्टो करेंसी का कारोबार शुरू होने के बाद नवंबर २०२१ में क्रिप्टो मार्केट का टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन अपने सर्वोच्च स्तर २.९२ ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर वह चुका है।

आपको बता दें कि नवंबर २०२१ के बाद से ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में गिरावट का दौर शुरू हुआ है, जिसकी वजह से ६९,९०० डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच कर कारोबार करने वाला बिटकॉइनर गिरकर २० हजार डॉलर के स्तर तक पहुंच गया था। हालांकि इस हफ्ते बाजार की स्थिति में सुधार होने के बाद अब बिटकॉइन आज २२ हजार डॉलर के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है।

जानकारों का मानना है कि अमेरिकी बाजार में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची महंगाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी की वजह से भी क्रिप्टो करेंसी मार्केट पर काफी असर पड़ा है।

मयूरभंज में रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए तहसीलदार, अमीन

मयूरभंज : मयूरभंज जिले के रारुआं में विजिलेंस ने शुक्रवार को दो सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया.

अधिकारियों की पहचान सत्य सुंदर राउत, ओएएस, मयूरभंज में रारुआं के तहसीलदार और ररुण तहसील के तहत भंजकिया में कमल लोचन पात्रा, अमीन के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपियों को एक शिकायतकर्ता से उसके प्लॉट का आरओआर (पट्टा) जारी करने के लिए १५००० रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था।

बढ़ती महंगाई के बीच बड़ा दावा अगले 5 साल में पेट्रोल हो जाएगा बैनः नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में ईंधन की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। महंगाई भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। इसलिए, अगर ईंधन के दाम में दो रुपये की भी कमी की जाए तो भी आम आदमी को बड़ी राहत मिल जाती है। इस बीच केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को एक बड़ा बयान दिया है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच उन्होंने कहा है कि अगले पांच साल में देश से पेट्रोल को खत्म कर दिया जाएगा। इसपर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। नितिन गडकरी गुरुवार को अकोला में डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को कृषि विश्वविद्यालय द्वारा %डॉक्टर ऑफ साइंस% की उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भगत सिंह कोश्यारी ने की। गडकरी ने कहा कि अब विदर्भ में बने बायो-एथेनॉल का इस्तेमाल वाहनों में किया जा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन को कुएं के पानी से बनाया जा सकता है और 70 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा जा सकता है। गडकरी ने कहा कि अगले पांच साल में देश से पेट्रोल खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ गेहूं, चावल, मक्का लगाने से कोई किसान अपनी भविष्य नहीं बदल सकता है। गडकरी ने कहा कि किसानों को ऊर्जा दाता बनने की जरूरत है न कि सिर्फ खाद्य प्रदाता। गडकरी ने कहा कि इथेनॉल पर एक फैसले से देश को 20,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। निकट भविष्य में दोपहिया और चार पहिया वाहन ग्रीन हाइड्रोजन, एथेनॉल और सीएनजी पर आधारित होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि विदर्भ से कपास बांग्लादेश को निर्यात करने की योजना है, जिसके लिए विश्वविद्यालयों के सहयोग की आवश्यकता है। विदर्भ में किसानों की आत्महत्या को रोकने के लिए विश्वविद्यालय बहुत कुछ कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नैनीताल हादसे में हुई मौतों पर शोक जताया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तराखंड के नैनीताल जिले के रामनगर में बारिश से उफनाई ढेला नदी में एक कार के बह जाने की घटना में हुई मौतों पर शोक जताया। कार के बह जाने से उसमें सवार पंजाब के नौ पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। मरने वालों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक ट्वीट के मुताबिक, मोदी ने कहा, ''नैनीताल जिले में एक कार के बह जाने के हादसे से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। वहां फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है।'' स्थानीय पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना सुबह पौने छह बजे के करीब हुई, जब पटियाला के रहने वाले सभी पर्यटक पंजाब लौट रहे थे। दुर्घटना का शिकार हुए चार पर्यटकों के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि पांच अन्य अभी कार में ही फंसे हैं। हादसे में जीवित बची 22 वर्षीय महिला नाजिया को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। अन्य शवों को निकालने के प्रयास जारी हैं।

जम्मू कश्मीर में बाढ़ प्रबंधन के लिए 1,600 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी मिली

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर प्रशासनिक परिषद ने शुक्रवार को झेलम और उसकी सहायक नदियों के बाढ़ के प्रबंधन के लिए 1,623 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी। इस परियोजना का उद्देश्य कम से कम छह जिलों में नदी से सटे बाढ़ संभावित क्षेत्रों की रक्षा करना है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, ''उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में यहां प्रशासनिक परिषद ने कश्मीर संभाग में जल शक्ति विभाग द्वारा झेलम बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी दी।'' उन्होंने कहा कि परिषद ने प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत परियोजना – झेलम नदी और उसकी सहायक नदियों के लिए व्यापक योजना, चरण (द्वितीय) भाग (ए) के लिए 1,623.43 करोड़ रुपये की राशि की मंजूरी दी। परियोजना के पीछे की मंशा श्रीनगर, बडगाम, बारामूला, अनंतनाग, पुलवामा और बांदीपुरा जिलों में झेलम से लगे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की रक्षा करना है और कुशल श्रमिकों के लिए 1.19 करोड़ मानव-दिवस रोजगार और अकुशल श्रमिकों के लिए 3.81 करोड़ मानव-दिवस रोजगार सृजन करना है। उन्होंने कहा कि इसे तीन साल में पूरा किया जाएगा। केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समूह द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर परियोजना की संकल्पना तैयार की गई थी। प्रधानमंत्री के निर्देश पर सितंबर 2014 की बाढ़ के तुरंत बाद इस समूह का गठन किया गया था।

कांवड़ यात्रा 2022: गोमुख की यात्रा पर रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली। कोरोना की वजह से दो साल बाद 14 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा के लिए मेगा प्लान तैयार किया गया है। प्रशासन के अनुसार चार से पांच करोड़ कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने का अनुमान है। यह तादाद अब तक की सर्वाधिक है। कांवड़ यात्रा को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। ड्रोन से निगरानी होगी। इस बार एक दिन में केवल 150 कांवड़ियों को ही गोमुख जाने की अनुमति रहेगी। कांवड़ मेले को लेकर शुक्रवार को होने सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बैठक होने वाली है। मुख्यमंत्री अभी तक हुए कांवड़ के कार्यों की समीक्षा करेंगे। सीएम निरीक्षण भी कर सकते हैं। इससे पहले, डीएम विनय शंकर पांडे ने मेले की तैयारियों को लेकर औचक निरीक्षण किया। डीएम ने कहा कि 10 जुलाई तक काम पूरा न करने वालें विभागों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने गुरुवार को कांवड़ पटरी पर चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण किया। रुड़की कांवड़ मेले के मद्देनजर रेलवे स्टेशन पर बम स्क्वायड ने परिसर का चप्पा-चप्पा खंगाला। कांवड़ मार्ग की निगरानी इस बार पहली बार ड्रोन से होगी।

आप के बर्खास्त मंत्री विजय सिंगला को मिली जमानत, भ्रष्टाचार करने के लगे थे आरोप

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार मामले में फंसे पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को जमानत मिल गई है। शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत मंजूर की। सिंगला को 24 मई को पंजाब की भ्रष्टाचार रोधी शाखा ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार से पहले ही उन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया था। आप नेता सिंगला पर अपने ओएसडी प्रदीप कुमार के जरिए रिश्वत लेने के आरोप लगे थे। मई में मोहाली के फेज 8 पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ सुपिरटेंडेंट इंजीनियर रजेंद्र सिंह से रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज हुई थी। एफआईआर के अनुसार, 20 मई को सिंह से 10 लाख रुपये की मांग की गई थी। साथ ही उन्हें आगे होने वाले आवंटन के लिए एक फीसदी कमीशन देने के लिए भी कहा गया था। 10 मार्च को ही पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए थे। इसके बाद मई में ही राज्य की आप सरकार की तरफ से यह बड़ी कार्रवाई की गई थी। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ के मुताबिक, सिंगला ठेकों के लिए अधिकारियों से 1 प्रतिशत दलाली मांग रहे थे। साथ ही सीएमओ ने यह भी कहा था कि सिंगला के खिलाफ मजबूत सबूत मिला है। सिंगला के खिलाफ सरकार की तरफ से की गई कार्रवाई पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम मान की तारीफ की थी। उन्होंने टवीट किया था, 'आप पर मुझे गर्व है भगवंत। आपकी कार्रवाई से मेरी आंखों में आंसू आ गए। आज पूरा देश आप पर गर्व कर रहा है।' पंजाब के सीएम ने कहा था कि आप में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस पॉलिसी है। मान ने बताया था कि उन्होंने सिंगला को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया है और पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

महिला ऑनलाइन बेचने गई थी 21 हजार का फर्नीचर, साइबर ठगों ने खाते से उड़ा दिए 3.77 लाख

मुंबई। मुंबई में 26 वर्षीय एक युवती ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गई जब एक व्यक्ति ने उसके खाते से 3.77 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना तब सामने आई जब महिला ने मंगलवार को मलाड थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता झुग्गी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) की इमारत में रहती है और एक पेट्रोलियम कंपनी में कार्यकारी सहायक है। अधिकारी ने कहा, फ्रहाल में उसे उसके सीनियर ने कॉल कर कहा कि वह एक ऑनलाइन मंच पर 21 हजार में फर्नीचर बेचना चाहता है। महिला ने सामान बेचने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करवाया। शीघ्र ही, एक साइबर ठग ने उससे संपर्क किया और फर्नीचर खरीदने में रुचि दिखाई फ्र महिला को भुगतान करने के नाम पर, आरोपी ने उसके बैंक खातों का विवरण लिया और खाते से 3.77 लाख रुपये निकाल लिए। इसके बाद पीड़िता ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

हमदर्द में हिंदुओं को मिले 50 पर्सेंट आरक्षण महापंचायत बुलाकर की मांग

नई दिल्ली। हरियाणा के मानेसर में ग्रामीणों और हिंदू संगठनों की ओर से एक महापंचायत हुई, जिसमें फार्मा कंपनी हमदर्द लैबोरेट्रीज में हिंदुओं को 50 फीसदी आरक्षण देने की मांग की गई। इस पंचायत में मौजूद लोगों ने यूनानी फार्मा कंपनी पर रोजगार देने के मामले में पक्षपात करने के आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदुओं को मौके नहीं दिए जाते। पंचायत में मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि हिंदू किसानों से अधिग्रहण की गई जमीन पर ही फैक्ट्री बनी है और उसने ट्रस्ट के नाम पर सरकार से तमाम छूट भी हासिल की है। इसके बाद भी किसी स्थानीय हिंदू व्यक्ति को कोई नौकरी नहीं मिली। यही नहीं पंचायत के बाद स्थानीय प्रशासन को इस मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। इस ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 50 फीसदी आरक्षण की मांग को पूरा नहीं किया जाता है तो फिर हम फैक्ट्री को ही बंद करा देंगे। पंचायत में मौजूद मानेसर के पूर्व सरपंच रामअवतार ने कहा, 'मानेसर के किसानों ने ही इन फैक्ट्रियों को लगाने के लिए अपनी जमीन दी थी। हमदर्द वैकेंसी निकलती है और कोई स्थानीय व्यक्ति योग्य होते हुए अप्लाई करता है तो उसे कभी मौका ही नहीं दिया जाता। हम चाहते हैं कि प्रशासन खुद फैक्ट्री में जाकर देखे कि यहां कोई भी हिंदू व्यक्ति काम नहीं करता है। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति देविंदर ने कहा कि हम चाहते हैं कि कंपनी में लोगों को भर्ती करने के तरीके और उनके प्रोफाइल की जांच की जाए। वहीं मानेसर के डीएसपी महावीर सिंह ने कहा कि महापंचायत के बाद इलाके में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से दुरुस्त है और पुलिस यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि इलाके में शांति बनी रहे। बता दें कि हरियाणा सरकार ने भी पिछले दिनों राज्य के लोगों को निजी संस्थाओं की नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण दिलाने का ऐलान किया था। इसे लेकर कुछ कंपनियों ने ऐतराज भी जताया था।

कोरोना के फिर 18 हजार से ऊपर मामले 24 घंटे में 38 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में पिछले कई हफ्तों से कोरोना के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। आज एक बार फिर से कोरोना के मामले 18 हजार से ऊपर आए हैं। पिछले 24 घंटों में 18,815 नए कोविड-19 मामले सामने आए। ये आंकड़े पिछले दिन की तुलना में थोड़ा कम हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 15,899 मरीज ठीक भी हुए हैं। वहीं इस अवधि में 38 और लोगों की जान गई है। कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 1 लाख 22 हजार से अधिक हो गई। एक दिन पहले गुरुवार को देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 18,930 नए मामले सामने आए थे, वहीं कोरोना संक्रमण की वजह से 35 लोगों की जान चली गई थी। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 18,815 नए मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटों में कुल 15,899 मरीज डिस्चार्ज हुए। कुल रिकवरी दर लगभग 98.51 फीसदी है। पिछले 24 घंटों में संक्रमण के कारण 38 और लोगों की मौत हुई है।

देश में अघोषित आपातकाल है, नाममात्र का राष्ट्रपति संविधान नहीं बचाएगा: यशवंत सिन्हा

गांधीनगर। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि संवैधानिक मूल्य (वैल्यू) और लोकतांत्रिक संस्थाएं देश में खतरे का सामना कर रही हैं तथा नाममात्र का (रबर स्टैम्प) राष्ट्रपति संविधान को बचाने की कभी कोशिश नहीं करेगा। सिन्हा, 18 जुलाई को होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस विधायकों का समर्थन मांगने के लिए यहां आए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस चुनाव में उनके और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के बीच मुकाबला सिर्फ इस बारे में नहीं है कि अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा।

सिन्हा ने कहा, ''यह लड़ाई अब एक कहीं अधिक बड़ी लड़ाई में तब्दील हो गई है।यह इस बारे में है कि क्या वह व्यक्ति राष्ट्रपति बनने के बाद संविधान बचाने के लिए अपने अधिकारों का उपयोग करेगा/करेगी। और यह स्पष्ट है कि नाममात्र का राष्ट्रपति ऐसा करने की कभी कोशिश नहीं करेगा।'' उन्होंने कहा, ''आज, संवैधानिक मूल्य और प्रेस सहित लोकतांत्रिक संस्थाएं खतरे में हैं। देश में वर्तमान में अघोषित आपातकाल है। लाल कृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी ने (1975 से 1977 के बीच) आपातकाल के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी तथा इसके लिए वे जेल भी गये थे। आज उनकी ही पार्टी (भाजपा) ने देश में आपातकाल थोप दिया है। यह विडंबना ही है।'' उन्होंने भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा का समर्थन करने को लेकर हाल में दो लोगों की हत्या किये जाने की घटनाओं पर नहीं बोलने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की।

सिन्हा ने आरोप लगाया, ''दो हत्याएं हुईं। मेरे सहित हर किसी ने इसकी निंदा की। लेकिन ना तो प्रधानमंत्री और ना ही गृह मंत्री (अमित शाह) ने एक शब्द बोला। वे चुप हैं क्योंकि वे वोट पाने के लिए इस तरह के मुद्दों को ज्वलंत बनाये रखना चाहते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि एक आदिवासी (मुर्मू) के देश के शीर्ष संवैधानिक पद हासिल करने से भारत में जनजातीय समुदायों के जीवन में बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने कहा, ''यह मायने नहीं रखता है कि कौन किस जाति या धर्म से आता है। सिर्फ यह बात मायने रखती है कि कौन व्यक्ति किस विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है और यह लड़ाई विभिन्न विचारधाराओं के बीच है। हालांकि, वह छह साल झारखंड की राज्यपाल रही थीं लेकिन इससे वहां आदिवासियों के जीवन में बदलाव नहीं आया।

भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच बोले आनंद शर्मा, यदि मिलना होगा तो नड्डा से खुलेआम मिलूंगा

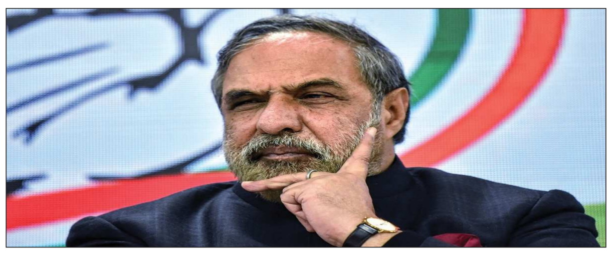

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने बृहस्पतिवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से अपनी भेंट को लेकर उठी अटकलों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यदि उन्हें ऐसा करना होगा, तो वह खुलेआम करेंगे क्योंकि दोनों हिमाचल प्रदेश से हैं एवं दोनों ने एक ही विश्वविद्यालय में पढ़ाई की है। शर्मा ने कहा कि उनका नड्डा से 'पुराना सामाजिक एवं पारिवारिक नाता' है और ''मुझे खुशी है कि मेरे राज्य एवं विश्वविद्यालय से आने वाला कोई व्यक्ति सत्तारूढ़ दल का अध्यक्ष है।''

उनकी कथित भेंट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''वैचारिक मतभेद का मतलब व्यक्तिगत दुश्मनी या वैमनस्य नहीं होता है, ... यदि मुझे जे पी नड्डा से मिलना होगा तो मैं खुलेआम मिलूंगा। यह मेरा अधिकार है। मैं किसी अटकल को हवा नहीं दूंगा।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ ने उन्हें एवं नड्डा को सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस कार्यक्रम में जाने के सिलसिले में उन्होंने फोन पर नड्डा से बातचीत की। शर्मा उस जी-23 समूह के अहम सदस्य हैं जिसने कांग्रेस संगठन में आमूलचूल बदलाव की मांग की थी और जो पार्टी नेतृत्व के कुछ फैसलों की आलोचक रहा था। यह पहली बार नहीं है कि शर्मा की नड्डा से भेंट करने को लेकर अटकलें सामने आयी हैं।

कर्नाटक के कई हिस्सों में बारिश का प्रकोप जारी, उत्तरी जिलों में बाढ़ की चेतावनी

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कर्नाटक के तटीय इलाकों और मलनाड क्षेत्र में भारी बारिश होने के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं पड़ोसी महाराष्ट्र में भी भारी बारिश होने के कारण कर्नाटक के कुछ उत्तरी जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गयी है। कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री गोविंद करजोल ने कहा कि महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण वहां से कृष्णा नदी और उसकी सहायक नदियों में पानी छोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि अलमट्टी जलाशय में75,200 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा चुका है और ऐसी जानकारी है कि इसके परिणामस्वरूप कृष्णा घाटी में भीषण बाढ़ की आशंका है।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि इसके मद्देनजर बागलकोट और बेलगावी में जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है और सभी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। दोनों जिलों और आसपास के क्षेत्रों में निचले इलाकों और कुछ पुल-सह-बैराजों के जलमग्न होने की खबरें हैं। कर्नाटक के तटीय और मलनाड जिलों जैसे कोडागु, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़ तटीय और मलनाड क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होने के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और कृषि क्षेत्र तथा निचले इलाकों में पानी भर गया है। कोडागु और दक्षिण कन्नड़ जिलों के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की भी सूचना मिली है। एहतियात के तौर पर इनमें से ज्यादातर जिलों में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं का पूर्वोत्तर में विकास गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा: कलिता

कोलकाता (एजेंसी)।

सेना की पूर्वी कमान के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' लेफ्टिनेंट जनरल आर. पी कलिता ने बृहस्पतिवार को कहा कि मणिपुर में हाल में भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण पूर्वोत्तर में कल्याणकारी गतिविधियों के लिए सरकारी प्रयासों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कलिता ने कहा कि भारी बारिश के बाद मणिपुर के नोनी जिले में एक रेलवे निर्माण शिविर में भूस्खलन के कारण लोगों की मौत होना ''बहुत दुर्भाग्यपूर्ण'' था, लेकिन ''प्रकृति के प्रकोप का कोई मुकाबला नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा कि पूरा पूर्वोत्तर, जो पूर्वी कमान की जिम्मेदारी के क्षेत्र का हिस्सा है, देश के बाकी हिस्सों की तुलना में बुनियादी ढांचे के विकास में पिछड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 से 15 वर्षों में, बहुत सी बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं.....'' उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को सरकार की सभी एजेंसियों द्वारा समर्थन देने की जरूरत है। पूर्वी सैन्य कमांडर ने यहां बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण में 'ईस्ट टेक 2022' रक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''लेकिन, मुझे नहीं लगता कि इस तरह की घटनाओं (मणिपुर में भूस्खलन) का विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने संबंधी सरकार की इच्छा और पूर्वोत्तर में होने वाले बुनियादी ढांचे के विकास पर कोई प्रभाव पड़ने वाला है।''

उन्होंने कहा कि सेना ऐसे सभी प्रयासों में सरकार का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'मिनी डिफेंस एक्सपो' के रूप में चर्चित पूर्वी कमान में आवश्यक क्षमता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य कठिन क्षेत्रों में परिचालन क्षमताओं को बढ़ाना भी है। दो दिवसीय प्रदर्शनी में 'फील्ड फॉर्मेशन' के कई अधिकारियों के शामिल होने का उल्लेख करते हुए कलिता ने कहा कि पूर्वी कमान उन उपकरणों की खरीद पर विचार कर रही है जिनकी सैनिकों के लिए तत्काल आवश्यकता है।

बेअदबी केस- डेरा सच्चा सौदा के तीन अनुयायियों को 3-3 साल कैद की सजा, जुर्माना भी लगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब में साल-2015 में हुए बेअदबी के मामले में पहली बार सजा का ऐलान करते हुए पंजाब मोगा जिले की एक अदालत ने डेरा सच्चा सौदा के तीन अनुयायियों को तीन-तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक सुखदेव सिंह ने फोन पर बताया कि प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल गर्ग की अदालत ने तीनों आरोपियों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने जिन तीन लोगों को सजा सुनाई है उनमें बाघापुराना का पृथि सिंह तथा मल्के गांव के अमरदीप सिंह और मिठू सिंह शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 2015 में हुए बेअदबी मामले में यह पहला मौका है जब किसी दोषी को सजा सुनाई गई है। उन्होंने बताया कि हालांकि, मामले के दो अन्य आरोपियों दविंदर सिंह और सतनाम सिंह को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया। मोगा अदालत का फैसला आने के बाद पंजाब के वित्त मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह चीमा ने प्रदेश की पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि वे इस मामले में कभी न्याय सुनिश्चित कराना चाहते ही नहीं थे। उन्होंने कहा कि लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार बेअदबी के प्रत्येक मामले में न्याय सुनिश्चित कराना चाहती है।

कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुये कहा कि पूरी प्रक्रिया जिससे आरोपियों को सजा सुनायी गयी है, वह उसके शासन में हुयी थी। गौरतलब है कि नवंबर 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब के पृष्ठ के टुकड़े मोगा जिले के मल्के गांव में सड़कों पर बिखरे मिले थे। पुलिस ने इसके बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए और 295 के तहत मामला दर्ज किया था। वर्ष 2018 के अक्टूबर में पंजाब पुलिस के विशेष जांच दल ने मामले में डेरा सच्चा सौदा के पांच अनुयायियों को गिरफ्तार किया था। इस जांच दल की अगुवाई तत्कालीन पुलिस उप महानिरीक्षक रणबीर सिंह खटरा कर रहे थे। प्रदेश के फरीदकोट जिले में 2015 में बेअदबी के तीन मामले सामने आये थे। ये मामले गुरु ग्रंथ साहिब की एक प्रति की चोरी और हस्तलिखित अपवित्र पोस्टर लगाने और धार्मिक पुस्तक के फटे पृष्ठ बरगाड़ी में बिखरे पाए जाने से संबंधित हैं। इन घटनाओं के कारण फरीदकोट में विरोध प्रदर्शन हुआ था।

अक्टूबर 2015 में बहबल कलां में पुलिस की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कोटकपूरा में कुछ लोग घायल हो गए थे। यह मामला पंजाब में एक भावनात्मक मुद्दा रहा है और 2017 और 2022 में राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान मुख्य चुनावी मुद्दों में से एक था। मोगा की अदालत के फैसले का स्वागत करते हुये चीमा ने कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल पर आरोप लगाया कि ये दोनों दल बेअदबी मामले में न्याय सुनिश्चित करना चाहते ही नहीं थे। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, 'इन दलों ने अपने शासन के दौरान कुछ नहीं किया।' मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि दोषियों को सजा मिले।' पंजाब सरकार बेअदबी के सभी मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी उत्पादन की उन्नत तकनीक

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है। ग्रीष्मकाल में भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते है। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट खनिज लवणों के अतिरिक्त विटामिन 'ए', 'सी' थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। इस लेख में ग्रीष्मकालीन भिंडी की उत्पादन तकनीक की विवेचना की गयी हैः-

जलवायु एवं भूमि की तैयारीः- भिंडी के उत्पादन हेतु गर्म मौसम अनुकुल होता है। बीजों के अंकुरण हेतु 20 सेंटीग्रेड से कम का तापमान प्रतिकूल होता है। 42 सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फूल का परागण नहीं होता है एवं फूल गिर जाते है।

सामान्यतः भिंडी की खेती सभी प्रकार की भूमियों पर की जा सकती है परन्तु हल्की दोमट मिट्टी जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश उपलब्ध हो एवं उचित जल निकास की सुविधा हो, भिंडी की खेती हेतु श्रेष्ठ होती हैं। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भूरभूरा कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में- अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति, पूसा-ए-4, वर्षा उपहार,

बीज एवं बीजोपचारः- ग्रीष्मकालीन फसल हेतु 18-20 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टर बुवाई के लिए पर्याप्त होता है जबकि वर्षाकालीन फसल में अधिक बढ़वार की कारण 12-15 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी के बीजों को बुवाई के पूर्व 12-24 घंटे तक पानी में डुबाकर रखने से अच्छा अंकुरण होता है। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम थायरम या कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीजदर से उपचारित करना चाहिए। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है।

बुवाईः- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में की जाती है। फिर भी अगेती फसल हेतु छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 15 जनवरी के बाद भी बुवाई की जा सकती हे। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे की मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

पोषण प्रबंधनः- भिंडी की बुवाई के दो सप्ताह पूर्व 250-300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। प्रमुख तत्वों में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश क्रमशः 60 कि.ग्रा., 30 कि.ग्रा. एवं 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

जलप्रबंधनः- यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो बुवाई के पूर्व एक सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में प्रत्येक पांच से सात दिन के अंतराल पर सिंचाई आवश्यक होती है। बरसात में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा अतिवृष्टि के समय उचित जलनिकास प्रबंध करना चाहिए।

निदाई-गुड़ाईः- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक नींदानाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। बासालिन को 1.2 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व को प्रति हेक्टर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

फल की तोड़ाई एवं उपजः- किस्म की गुणता के अनुसार 45-60 दिनों में फलों की तुड़ाई प्रारंभ की जाती है एवं 4 से 5 दिनों के अंतराल पर नियमित तुड़ाई की जानी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी फसल में उत्पादन 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टर तक होता है।

पौध संरक्षणः- भिंडी के प्रमुख रोग पीत शिरा मौजक एवं चूर्णिल आसिता एवं नुकसानदायक कीट प्ररोह एवं फल छेदक तथा जैसिड है।

पीत शिरा रोगः- यह भिंडी की फसल में नुकसान पहुचाने वाला प्रमुख रोग है। इस रोग के प्रकोप से सर्वप्रथम पत्तियों की शिराएं पीली पड़ने लगती है। तत्पश्चात पूरी पत्तियाँ एवं फल भी पीले रंग के हो जाते है पौधे की बढ़वार रुक जाती है। वर्षा ऋतु में इस रोग का संक्रमण अधिक होता है।

सर्वप्रथम इस रोग के लक्षण वाले पौधे दिखाई देते ही उन्हें उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। यह विषाणु जनित रोग सफेद मक्खी कीट द्वारा स्वस्थ पौधों में फैलाया जाता है। अतः रोग संवाहक कीट के नियंत्रण हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग का प्रसारण कम होता है। पीतशिरा रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति इत्यादि का चुनाव करना चाहिए। फसल के चारों ओर 2-3 कतार मक्का बोने से भी रोग का फैलाव नियंत्रित किया जा सकता है।

चूर्णिल आसिताः- इस रोग में भिंडी की पुरानी निचली पत्तियों पर सफेद चूर्ण युक्त हल्के पीले धब्बे पड़ने लगते है। ये सफेद चूर्ण वाले धब्बे काफी तेजी से फैलते है। इस रोग का नियंत्रण न करने पर पैदावार 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 या 3 बार 12-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

प्ररोह एवं फल छेदकः- इस कीट का प्रकोप वर्षा ऋतु में अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में इल्ली कोमल तने में छेद करती है जिससे तना सूख जाता है। फूलों पर इसके आक्रमण से फल लगने के पूर्व फूल गिर जाते है। फल लगने पर इल्ली छेदकर उनको खाती है जिससे फल मुड़ जाते हैं एवं खाने योग्य नहीं रहते है।

जैसिडः- ये सुक्ष्म आकार के कीट पत्तियों, कोमल तने एवं फल से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते है।

फल छेदक के द्वारा आक्रमण किये गये फलों एवं तने को काटकर नष्ट कर देना चाहिए। क्विनॉलफास 25 ई.सी. 1.5 मिली लीटर या इंडोसल्फान 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से कीट प्रकोप की मात्रा के अनुसार 2-3 बार छिड़काव करने से जैसिड एवं फल प्ररोह छेदक कीटों का प्रभावी नियंत्रण होता है। फल बनने के उपरांत कीट प्रकोप होने पर 'फेनवेलरेट' 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर उपर्युक्त बनाये कीटनाशक के साथ अदल-बदल कर प्रयोग करें।

कैसे करें संरक्षित खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सबजियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सबजियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सबजियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्ध्ता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यत : वातावरण अनुकूलित ग्रीनहाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेटहाउस तथा लो प्लासटिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

वाक-इन- टनल तकनीक

वाक-इन- टनल एक प्रकार की अस्थाई संरक्षित संरचना है जो आधा इंच मोटाई के जंग रोधी पाईपों को अर्धगोलाकार आकार मे मोडकर तथा इन्हे सरियों के टुकडो के सहारे खेत में खडा करके उसके उपर पारदर्शी प्लासटिक की चादर से ढककर बनाया जाता है। इसके मध्य में ऊंचाई लगभग 6 से 6.5 फुट तथा जमीन पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक चौडाई 4 मीटर तक होती है।

इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं को सर्दी के मौसम में बेमोसमी सब्जी जैसे लोकी, खरबूजा, तरबूज, खीरा, चप्पनकद्दू , तथा अन्य कद्दू वर्गीय सब्जीयां उगाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में दिन के समय जब सूर्य की रोशनी प्लास्टिक पर मडती है तो टनल के अन्दर का तापमान काफी (लगभग 10 से 12 डि.ग्री से.) बढ जाता है । जिससे कद्दू वर्गीय सब्जीयों को कम तापमान के दिनो में भी बढवार करने में सफलता मिल जाती है।

वाक-इन- टनल की लम्बाई आवश्यकता अनुसार बढाई जा सकती है। लेकिन सामान्यत- इनकी लम्बाई 25 से 30 मीटर होती है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं- प्लासटिक की चादर की उपलब्ध माप, टनल में हवा का आदान प्रदान, तथा इस लम्बाई के टनल में मधुमक्खीयों को भी परागण कार्य करने में कोई असुविधा नही होती। इन संरचनाओं को बनाने में लागत भी बहुत कम ही आती है। तथा अस्थाई होने के कारण इनकी देखभाल भी सरलता पूर्वक की जा सकती है।

इन संरचनाओं का उपयोग केवल सर्दी के मौसम (दिसम्बर जनवरी व फरवरी माह) में ही फसल उत्पादन के लिए किया जा सकता है। क्योकि सर्दी के बाद इसके अंदर का तापमान बहुत अधिक बढ जाता है तथा हवा का अधिक आदान प्रदान न होने के कारण तब इनमे फसल उगाना संभव नही होता है। यही नही इनका उपयोग पहाडी क्षेत्रों मे और भी लम्बे समय तक सब्जी उत्पादन के लिए किया जाता है। इसी प्रकार इन संरचनाओं को ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों मे भी सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग मे लाना सम्भव है।

छतरपुर के गांधी आश्रम में जैविक खेती का अद्भुत प्रयोग

यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले हैं - संजय और दमयंती। जिस बुदेलखंड में पिछले पांच सालों में भयंकर सूखे से किसानों की कमर टूट गई है, उसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां खुशियों की खेती लहलहा रही है। विदर्भ के बाद मध्यप्रदेश में किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं के बीच खेती का यह प्रयोग एक मिसाल पेश करता है। यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले है संजय और दमयंती और जगह है छतरपुर।

टिकाऊ खेती की बात से पहले आपको थोड़ा सा इतिहास जानना जरूरी होगा। गांधी आश्रम छतरपुर ऐतिहासिक महत्व की जगह है। अंग्रेजी शासन काल के बाद दीवान साहब के बंगले से यह जगह गांधी विचारों को आगे ले जाने का एक केन्द्र बनी। तत्कालीन दीवान ने विनोबा के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर इस बंगले और बंगले से लगी जमीन को गांधी विचारों के लिए समर्पित कर दिया। उसके बाद इसे गांधी आश्रम के नाम से विकसित किया गया। सांस्कृतिक-साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों को यहां से संचालित किया जाता रहा। सत्तर के दशक में जब चंबल में डाकुओं का आतंक अपने चरम पर पहुंचकर आत्मसमर्पण की ओर बढ़ा तब इस प्रक्रिया की बुनियाद इसी आश्रम के पुस्तकालय से पड़ी। जयप्रकाश नारायण के साथ यहां डाकुओं की बातचीत हुई और इसके बाद डाकुओं ने आत्मसमर्पण भी किए। गांधी का ग्रामस्वराज, बुनियादी तालीम और टिकाऊ विकास की अवधारणाओं की झलक इस छोटे से आश्रम में दिखाई देती है। बीच में एक लंबा दौर ऐसा भी आया जब यह आश्रम भूमाफियों और सामाजिक गतिविधियों के केन्द्र में तब्दील हो गया।

2006 में गांधी विचारों से जुड़े संजय और दमयंती जब इस जगह आए तो उन्होंने ठान लिया कि यहां की तस्वीर को बदलने के लिए वह कठिन परिश्रम करेंगे। खेती-किसानी और प्रकृत्ति प्रेमी भाई ने इस आश्रम से लगे लगभग चालीस

एकड़ खेत में जैविक खेती के प्रयोग को शुरू करने की योजना बनाई। एक ओर जहां नकद फसलों ने फसलों की विविधता को खत्म कर दिया है वहीं इस आश्रम में उन्होंने अलग-अलग फसलों को अपनाया। इस छोटी सी जमीन पर गेहूं, चना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, जौं सहित ऐसी फसलें लीं जो सीधे-सीधे किसान अपने खाने के लिए भी उपयोग करते हैं। दरअसल खेती का परंपरागत तरीका था भी यहीं कि किसान ज्यादातर खाद्यान्न और मसाले अपने खेतों में पैदा किया करते थे और उन्हें हर चीज के लिए बाजार की ओर मुंह नहीं देखना पड़ता था, अब किसान गेहूं-सोयाबीन पैदा तो खूब कर रहे हैं, लेकिन दाल-मसालों के लिए वह बाजार पर निर्भर है। खेती की इस विविधता से आश्रम की व्यवस्थाएं भी स्वतः संचालित होती है। यहां तक की सब्जी और फलों का उत्पादन भी आश्रम से ही हो जाता है। इस खेती की सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले चार सालों से यहां रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। वर्मी कम्पोस्ट और गोमूत्र के जरिए यहां की फसलों को जान मिलती है। 40 एकड़ के इस क्षेत्र को आश्रम के केवल सात कार्यकर्ता अंजाम देते हैं। संजय भाई बताते हैं कि आज के इस दौर में जैविक खेती करना थोड़ा कठिन जरूर लग सकता है पर यह असंभव कतई नहीं है। हम अपने खेतों में उतना ही समय खर्च करते हैं जितना दूसरे किसान। पर यहां आपको यह समझना होगा कि जमीन क्या चाहती है। किस तरह की जमीन पर किस तरह के फसल ठीक रहेगी यह समझना होगा।इस आश्रम की एक खास बात यह है कि आप यहां पूरी तरह जैविक भोजन का आनंद ले सकते हैं। यहां तक की दाल-मसाले और तेल भी खुद की उगाई गई तिल का। इस आश्रम में चल रही खेती के प्रयोग को समझने फ्रांस के निकोलस आए हैं। निकोलस कहते हैं कि 'वह भारत में जैविक खेती के अलग-अलग प्रयोगों को उन्होंने देखा, लेकिन यह प्रयोग सबसे अद्भुत है। इसलिए भी क्योंकि यह गांधी के विचारों से जुड़ा हुआ है। गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे और गांव की अर्थव्ययवस्था के एक मॉडल की बात करते थे जहां कि ग्रामवासी आपसी व्यवहार में अपने साझा जीवन को अंजाम देते थे। यह प्रयोग अपने आप में दिलचस्प है।' यही कारण है कि वह न केवल इस खेती पर अध्ययन कर रहे हैं बल्कि इस प्रयोग के साथ इतना रम गए हैं कि वह खुद खेतों में पसीना बहाते हैं। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भावेश भी इस प्रयोग के साथ जुड़कर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि कम लागत की इस खेती को जीवन के साथ जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है।

अंतिम पड़ाव में पहुंची हज यात्रा, कोरोना गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहे लोग

माउंट अराफात (सऊदी अरब)। वार्षिक हज यात्रा शुक्रवार को अपने अंतिम पड़ाव पहुंच गई, जब दुनियाभर के लाखों मुसलमानों ने सऊदी अरब के पवित्र पर्वत माउंट अराफात पर इबादत की। माना जाता है कि माउंट अराफात पर ही पैगंबर मोहम्मद ने अपना आखिरी खुतबा (उपदेश) देते हुए मुसलमानों के बीच समानता व एकता का आह्वान किया था। ऐसे में शुक्रवार को हज यात्रियों ने कंधे से कंधा मिलाकर एक-दूसरे के साथ इबादत करते हुए अपने गुनाहों से मुक्ति मांगी। इस दौरान कई हज यात्रियों की आंखें नम भी हो गईं। मुसलमानों का मानना है कि आज के दिन मक्का शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित माउंट अराफात पर इबादत करने से गुनाहों से मुक्ति मिलती है और खुदा राजी होता है। शुक्रवार को सूरज निकलने से पहले ही हज यात्री माउंट अराफात के लिए रवाना होने लगे। वे इबादत पूरी करने के बाद रात तक वापस लौटने लगेंगे। शारीरिक और आर्थिक रूप से सक्षम मुसलमानों से जीवन में कम से कम एक बार हज यात्रा करने के लिए कहा जाता है। इस दौरान वे उन जगहों की यात्रा करते हैं, जहां माना जाता है कि लगभग 1,400 वर्ष पहले पैंगबर मोहम्मद ने अपना जीवन बिताया था। हज यात्रा में इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल काबा के आसपास इबादत करना शामिल है। बृहस्पतिवार को मस्जिद हरम के आंगन में हजारों हज यात्रियों ने काबा के आसपास तवाफ (परिक्रमा) किया। हालांकि, इस बार हज के दौरान पिछले दो साल की तुलना में अलग नजारा देखने को मिला है। कोविड-19 के चलते जहां साल 2020 और 2021 में हज यात्री पाबंदियों का कड़ाई से पालन करते दिखे थे, वहीं इस बार उतनी सख्ती नहीं नजर आई। कई जायरीन बिना मास्क के यात्रा करते दिखे। साथ ही सामाजिक दूरी का पालन भी इस बार बहुत कम नजर आया। साल 2022 में केवल उन विदेशी और घरेलू जायरीनों को हज यात्रा की अनुमति दी गई थी, जिनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका था, जिनमें कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़े कोई लक्षण नहीं थे और जिनकी उम्र 18 से 65 वर्ष के बीच थी। अधिकारियों के अनुसार, इस साल 85 प्रतिशत हज यात्री विदेशी थे। उन्होंने बताया कि 2022 में दस लाख से अधिक विदेशी और घरेलू जायरीनों ने हज यात्रा की। हालांकि, यह संख्या कोविड-19 से पहले की तुलना में काफी कम है, जब हर साल औसतन 25 लाख से अधिक लोग हज यात्रा करते थे। साल 2020 में जब कोविड-19 का प्रकोप चरम पर था, तब केवल 1,000 सऊदी निवासियों को ही हज यात्रा की अनुमति मिली थी।

फलस्तीन के राष्ट्रपति और इजराइली के रक्षा मंत्री ने वेस्ट बैंक में मुलाकात की

रामल्ला (वेस्ट बैंक)।फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने अगले सप्ताह क्षेत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा समन्वय पर चर्चा करने के लिए वेस्ट बैंक में बृहस्पतिवार को मुलाकात की। एक दशक से अधिक समय पहले शांति प्रक्रिया रुकने के बाद से इजराइली और फलस्तीनी नेताओं के बीच उच्च स्तरीय बैठकें विरले होती हैं। इजराइल ने एक बयान में कहा कि रामल्ला में बैठक ''सकारात्मक माहौल'' में की गयी। रामल्ला में फलस्तीनी प्राधिकरण का मुख्यालय स्थित है। उसने कहा कि दोनों पक्ष ''सुरक्षा समन्वय जारी रखने और अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों से बचने'' पर राजी हुए हैं। बयान में कहा गया है कि गैंट्ज ने अब्बास और फलस्तीनी लोगों को ईद-उल-अज़हा की शुभकामनाएं दीं। अब्बास के एक वरिष्ठ सहायक हुसैन अल-शेख ने ट्वीट किया, ''अब्बास ने राजनीतिक क्षितिज बनाने, हस्ताक्षरित समझौतों का सम्मान करने और ऐसे कार्यों तथा गतिविधियों को बंद करने पर जोर दिया, जिससे स्थिति बिगड़ती है।'' अब्बास ने राष्ट्रपति बाइडन की यात्रा से पहले शांतिपूर्ण माहौल की महत्ता पर भी जोर दिया। गौरतलब है कि बाइडन के अगले सप्ताह इजइराल और फलस्तीन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करने की उम्मीद है।

टिवटर ने कहा, हर दिन 10 लाख स्पैम अकाउंट हटा रहा, मस्क की टीम का दावा स्पैम खातों पर अपने आंकड़ों को वेरीफाई नहीं कर सका

वाशिंगटन । ट्विटर और एलन मस्क के बीच हुई बिजनेस डील ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। एक बार फिर बिजनेस डील सुर्खियों में है। दरअसल मस्क लगातार ट्विटर पर बॉट अकाउंट (फेक अकाउंट) शेयर कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया के शेयरों में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट दिखाई दी है, जिससे 44 बिलियन डॉलर की डील की संभावनाओं के बारे में अनिश्चितता पैदा कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की टीम ने कहा कि ट्विटर स्पैम खातों पर अपने आंकड़ों को वेरीफाई नहीं कर सका है। इसके बाद सौदा खतरे में पड़ गया है। फिलहाल डील पर चर्चा 'बंद' हो गई है। मामले से जुड़े लोगों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला प्रमुख द्वारा दखल ने बिजनेस डील को गंभीर खतरे में डाल दिया है। वहीं अन्य रिपोर्ट के बाद डील को लेकर मार्केट में फिर हलचल पैदा हो गई है, जिसके बाद ट्विटर के प्रवक्ता ने सफाई देकर कहा कि ट्विटर ने डील के समझौते की शर्तों के अनुसार लेन-देन को पूरा करने के लिए मस्क के साथ जानकारी साझा करना जारी रखा है और जारी रखेगा। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि यह समझौता सभी शेयरधारकों के हित में है। हम डील को बंद करने और सहमत मूल्य और शर्तों पर विलय समझौते को लागू करने का इरादा रखते हैं। गौरतलब है कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के बयानों से इस साल की शुरुआत से ही ट्विटर के शेयर की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं इंटरनल डाटा एक्सेस दिए जाने के बावजूद भी मस्क की टीम माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर बॉट अकाउन्ट का सटीक आंकड़ा नहीं दे सकी है। डील पर अनिश्चितता की अटकलों के बीच ट्विटर ने कहा है कि वह रोजाना 10 लाख स्पैम अकाउंट हटा रहा है।

इटली के पोम्पई और नेपल में महिलाएं नहीं पहन सकती बिकनी, उल्लंघन पर देना होगा 40 हजार का जुर्माना

रोम । पर्यटक स्थलों पर सैलानी उन्मुक्त होकर मन पसंद के कपड़े पहन मौज करने के मूड़ में होते हैं। लेकिन इटली में टूरिस्ट प्लेस पर महिलाओं के बिकिनी पहनने पर रोक लगा दी गई है। अगर किसी ने ऐसा किया तो उस पर तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा। जानकारी के लिए बता दें जुर्माने के तौर पर उस व्यक्ति को 40 हजार से अधिक भरने पड़ सकते हैं। मामला इटली के तटीय इलाके पोम्पई और नेपल का है। यह आदेश यहां के मेयर ने पारित किया है। उनका यह मानना है कि अगर कोई सड़कों पर 'अंग प्रदर्शन' करते हुए नजर आया तो उसपर एक्शन लिया जाएगा। दरअसल, स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि यहां इस तरह के कपड़े पहन कर ना आए। वहां के समुद्र तट के किनारे बसे लोगों का कहना था कि यह लोग कम कपड़े पहनकर 'अशोभनीय व्यवहार' करते हैं। जिसके चलते फिर यहां के लोग असहज महसूस करते हैं। इसी को देखते हुए यहां के मेयर ने चेतावनी दी कि अगर कोई 'कम कपड़ों' में 'अशोभनीय व्यवहार' करते पाया जाएगा तो उसपर 425 पाउंड (40 हजार रुपये से अधिक) का जुर्माना लिया जाएगा। मेयर ने कहा कि स्थानीय लोगों को डर है कि सैलानियों की हरकत तटीय शहर की 'प्रतिष्ठा' और 'जीवन की गुणवत्ता' को बर्बाद कर रही है। ऐसे में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारी सड़कों और कोस्टल एरिया में गश्त करेंगे। जो लोग शर्टलेस या स्विमवियर में पाए जाएंगे उन पर फाइन लगाया जाएगा।

संरा ने सीरिया को मदद पहुंचाने को लेकर गतिरोध के बीच बैठक बुलाई

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनओ) ने तुर्की से सीरिया के विद्रोहियों के कब्जे वाले उत्तर पश्चिमी हिस्से में मानवीय सहायता पहुंचाने की अवधि पर मतभेदों के बीच शुक्रवार को एक बैठक बुलाई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सीरिया के विद्रोहियों के कब्जे वाले उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में तुर्की से होते हुए मानवीय सहायता पहुंचाने पर गुरुवार को मतदान कराना था लेकिन इसे टाल दिया गया है। रूस ऐसी मानवीय सहायता को जारी रखने के लिए तैयार हो गया है लेकिन केवल छह महीनों के लिए। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई सदस्य, महासचिव एंतोनियो गुतारेस और 30 से अधिक गैरसरकारी समूह चाहते हैं कि यह अवधि बढ़ाकर एक साल की जाए। सुरक्षा परिषद का एक और सत्र शुक्रवार को बुलाया गया है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इसमें विचार-विमर्श होगा या मतदान होगा। परिषद के 15 सदस्यों के बीच गुरुवार को शाम तक बंद कमरे में चर्चा चलती रही लेकिन आयरलैंड और नॉर्वे द्वारा पेश किए गए मसौदा प्रस्ताव और रूस के प्रस्ताव के बीच मतभेदों को दूर नहीं किया जा सका। आयरलैंड और नॉर्वे के प्रस्ताव में 12 महीने के लिए मानवीय सहायता पहुंचाने की बात कही गई है जबकि रूस के प्रस्ताव में छह महीने का वक्त दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में आयरलैंड के राजदूत गेरेल्डाइन बायर्न नैसन ने गुरुवार की बैठक के बाद कहा, 'हम आम सहमति बनाने पर काम कर रहे हैं। कमरे में उपस्थित कोई भी सदस्य इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर विभाजन नहीं चाहता लेकिन हमें और काम करना होगा। हम रात भर काम करने जा रहे हैं और उम्मीद है कि सुबह तक इसका हल निकाला जा सकेगा।'

ट्यूनीशिया में फ्री कंसटीटूयशनल पार्टी के समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से भिड़ गये।

भारत सहित 11 देशों में सामने आए ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट बीए.2.75 के मामले: घेब्रेयसस

जेनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेयसस ने बताया कि कोरोना वायरस के स्वरूप ओमिक्रॉन के उप स्वरूप बीए.2.75 के मामले भारत जैसे दुनिया के 11 अन्य देशों में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य निकाय इस पर नजर रख रहा है। घेब्रेयसस ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दुनियाभर में पिछले दो सप्ताह में कोविड-19 के मामलों में करीब 30 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। डब्ल्यूएचओ उप-क्षेत्रों में छह में से चार में पिछले सप्ताह मामलों में वृद्धि देखी गई। उन्होंने कहा यूरोप और अमेरिका में बीए.4 और बीए.5 के मामले सामने आ रहे हैं। भारत जैसे देशों में बीए.2.75 के मामले भी सामने आए, जिन पर हम नजर बनाए हुए हैं। डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने ट्विटर पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के स्वरूप ओमिक्रॉन के उप स्वरूप को बीए.2.75 कहा जाता है सबसे पहले इसकी पुष्टि भारत में हुई थी और फिर करीब 10 देशों में इसके मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि विश्लेषण करने के लिए उप-स्वरूप के अब भी सीमित अनुक्रम उपलब्ध हैं, लेकिन इस उप-स्वरूप में स्पाइक प्रोटीन के 'रिसेप्टर-बाइंडिंग डोमेन' पर कुछ उत्परिवर्तन होते हैं, जो 'ह्यूमन रिसेप्टर' तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए हमें इस पर नजर रखनी होगी।

यूक्रेन पर हमले के बाद महंगाई से 7 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे आए

- दो करोड़ लोग रोजाना 3.20 डॉलर से कम पैसे में जीवन यापन कर रहे हैं

दुबई (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने एक रिपोर्ट में कहा कि यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद खाद्य पदार्थों और ऊर्जा की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण दुनिया भर में 7.1 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। यूएनडीपी का अनुमान है कि युद्ध शुरू होने के बाद पहले तीन महीनों में 5.16 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा के नीचे आ गए और वे प्रतिदिन 1.90 डॉलर या उससे भी कम पैसे में जीवन यापन कर रहे हैं। इसके साथ ही विश्व की कुल जनसंख्या का करीब नौ प्रतिशत हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे हो गया। इसके अलावा करीब दो करोड़ लोग रोजाना 3.20 डॉलर से कम पैसे में जीवन यापन कर रहे हैं। कम आमदनी वाले देशों में परिवार अपनी घरेलू आय का 42 प्रतिशत हिस्सा भोजन पर खर्च करते हैं लेकिन पश्चिमी देशों द्वारा रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाए जाने से ईंधन और मुख्य खाद्य पदार्थों जैसे गेहूं, चीनी और खाना पकाने के काम आने वाले तेल की कीमतें बढ़ गईं। यूक्रेन के बंदरगाहों के अवरूद्ध हो जाने और कम आय वाले देशों को अनाज निर्यात नहीं कर पाने के कारण कीमतों में और वृद्धि

हुई। इससे लाखों लोग जल्दी ही गरीबी रेखा से नीचे चले गए।

यूएनडीपी प्रशासक अचिम स्टीनर ने रिपोर्ट जारी होने के मौके पर कहा कि जीवन यापन के खर्च पर पड़ने वाला प्रभाव काफी गंभीर है और हाल के समय में ऐसी स्थिति नहीं देखी गई। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जिस गति से लोग प्रभावित हुए, वह महामारी के चरम के दौर की आर्थिक पीड़ा से भी अधिक गंभीर है। यूएनडीपी ने कहा कि फरवरी के अंत में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद सिर्फ तीन महीनों में 7.1 करोड़ से अधिक लोगों ने गरीबी को महसूस किया जबकि कोविड महामारी के दौरान करीब 18 महीने के लॉकडाउन के दौरान 12.5 करोड़ लोगों ने इस दर्द को महसूस किया था।

इस देश में मारबर्ग वायरस के मिले 2 मामले, जानिए इस वायरस के बारे में

जिनेवा। (एजेंसी)।

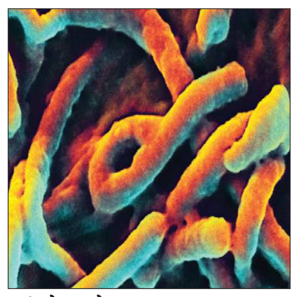

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि घाना में इबोला जैसे मारबर्ग वायरस से संक्रमण के दो संभावित मामले सामने आए हैं। अगर इनकी पुष्टि हो जाती है तो यह पश्चिम अफ्रीकी देश में इस तरह के संक्रमण का पहला मामला होगा। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह बीमारी, इबोला के समान एक बेहद संक्रामक रक्तस्रावी बुखार है, जो चमगादड़ों की एक प्रजाति द्वारा लोगों में फैलती है। संक्रमित लोगों के शारीरिक द्रवों व सतहों के संपर्क में आने से इसका प्रसार होता है। मारबर्ग संभावित रूप से बेहद हानिकारक और घातक है- पिछले प्रकोपों को देखें तो मृत्यु दर 24 प्रतिशत से 88 प्रतिशत तक थी।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि घाना के दक्षिणी अशांती क्षेत्र से लिए गए दो मरीजों के शुरुआती विश्लेषण में संक्रमण पाया गया था। दोनों मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि, नमूनों को पूरी तरह से पुष्टि के लिये सेनेगल के डकार में पाश्चर संस्थान भेजा गया है, जो संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के साथ काम करता है। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि दोनों मरीजों को अतिसार, बुखार, बेचैनी और उल्टी के लक्षणों के बाद स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था। वैश्विक निकाय ने कहा, 'आगे की जांच जारी है लेकिन संभावित प्रकोप को लेकर प्रतिक्रिया की तैयारी तेजी से की जा रही है।'

घाना में स्वास्थ्य अधिकारियों की मदद के लिये विशेषज्ञों की तैनाती की जा रही है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अगर मारबर्ग के रूप में पुष्टि की होती है, तो यह दूसरा मामला होगा, जब पश्चिम अफ्रीका में यह संक्रमण सामने आएगा। इससे पहले गिनी में अगस्त में एक मामला सामने आया था, जिसके पांच हफ्तों बाद इसके प्रसार की घोषणा की गई थी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इससे पहले अंगोला, कांगो, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में भी मारबर्ग के मामले सामने आ चुके हैं।

पाक सेना का मजाक उड़ाने पर होगी 2 साल की जेल, नए आपराधिक कानून संशोधन बिल पर हुआ बवाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में सेना की आलोचना करने वालों को जेल भेजने के लिए पूर्ववर्ती इमरान खान सरकार के एक बिल को लेकर नेशनल असेंबली में खूब बवाल हुआ। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली स्टैंडिंग कमेटी ऑन इंटीरियर ने एक नया आपराधिक कानून संशोधन बिल पारित किया है। इसके अनुसार, पाकिस्तान सशस्त्र बलों के आलोचकों को अब दो साल की जेल की सजा के साथ-साथ 500000 रुपए तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। पाकिस्तानी सांसद मोहसिन दवार ने इस बिल को लेकर तंज कसे और इसे लोगों को डराने-धमकाने वाला बताया। हालांकि, खुद इमरान खान के गृह राज्य खैबर पख्तूनख्वा की सरकार ने इस विधेयक के खिलाफ मतदान किया है। वहीं, पाकिस्तान के अन्य राज्यों ने इस विधेयक पर अभी तक अपने विचार व्यक्त नहीं किए हैं। विपक्षी दलों का तर्क है कि यह हमारी अपनी संस्थाओं के खिलाफ है। हम अपनी इन संस्थाओं के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी नीयत से की गई आलोचना को कभी भी गलत नहीं समझना चाहिए। हमें लोगों को डराकर रखने से बचना चाहिए। इस आपराधिक कानून संशोधन बिल के तहत, पाकिस्तान के सशस्त्र बलों और उनके किसी कर्मी के खिलाफ जानबूझकर उपहास, अपमान और मानहानि नहीं की जा सकेगी। ऐसा करने वालों को पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीसी) की धारा 500 ए के तहत दो साल की जेल, 500000 रुपए तक का जुर्माना या दोनों सजा दी जा सकती है।

चीन एक तरफा प्रतिबंध और ताइवान पर दोहरे मापदंडों का विरोध करता है: वांग ने जयशंकर से कहा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ बाली में बृहस्पतिवार को मुलाकात के दौरान कहा कि चीन यूक्रेन संकट के बहाने से अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा उनके देश एवं रूस पर एक तरफा प्रतिबंध लगाने और ताइवान के मुद्दे पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने का विरोध करता है।

चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इंडोनेशिया के बाली में जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर जयशंकर के साथ करीब एक घंटे तक चली मुलाकात के दौरान वांग ने यूक्रेन की मौजूदा स्थिति पर चीन की चिंता सामने रखी। उन्होंने कहा कि चीन उन दोहरे मापदंडों का विरोध करता है जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करते हैं।

ज़ाहिर तौर पर अमेरिका, यूरोपीय संघ और पश्चिमी देशों के संदर्भ में वांग ने कहा कि कुछ

देश यूक्रेन मुद्दे पर संप्रभुता के सिद्धांत पर ज़ोर देते हैं, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता और एक-चीन सिद्धांत को चुनौती देते रहते हैं और यहां तक कि जानबूझकर ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव पैदा करते हैं, जो स्पष्ट रूप से दोहरा मापदंड है। चीन स्वशासित ताइवान को मुख्य भूमि का हिस्सा बताता है और उसका उसे अपने में मिलाने का सकंल्प है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, वांग ने कहा कि चीन यूक्रेन संकट को ताइवान के साथ तुलना की किसी भी कोशिश को खारिज करता है और चीन अपने मूल हितों का दृढ़ता से बचाव करेगा। नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में यूक्रेन का कोई ज़िक्र नहीं है। बयान में सिर्फ इतना कहा गया है कि दोनों मंत्रियों ने 'अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया है।

कौन ले सकता है बोरिस जॉनसन की जगह? रक्षा मंत्री बेन वालेस हो सकते है गंभीर दावेदार

लंदन।(एजेंसी)।

बोरिस जॉनसन की सरकार को जितने संकटों ने घेरा है, उनमें से किसी एक गिरफ्त में आने पर भी ब्रिटेन के ज्यादातर प्रधानमंत्री इस्तीफा दे चुके होते। जॉनसन, परंपरा या नियमों से कभी नहीं बंधे, लगभग हर संकट से बाहर निकल गए - लेकिन क्रिस पिंचर का मामला उनकी सरकार के लिए खतरनाक साबित हुआ। स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद और चांसलर ऋषि सनक के नेतृत्व में जॉनसन की सरकार के 50 से अधिक सदस्यों ने डेढ़ दिन में इस्तीफा दे दिया। जॉनसन ने अब पार्टी के नेता के रूप में इस्तीफा दे दिया है और वह एक नया नेता चुने जाने तक पीएम पद पर बने रहेंगे। जॉनसन एक विशिष्ट नेता नहीं थे, और उनके उत्तराधिकारी के सामने एक मुश्किल विरासत को संभालने का काम होगा। उन्हें अगले आम चुनाव (जो समय से पहले कराए जा सकते हैं)से पहले कंजर्वेटिव पार्टी को मजबूत करना होगा।

हालात को स्थिर करते हुए और मतदाताओं से अपील करते हुए, उन्हें जॉनसन की विरासत के अधिक समस्याग्रस्त पहलुओं से खुद को दूर करने की आवश्यकता होगी। असंभव प्रतीत होने वाले इस कार्य के लिए संभावित दावेदार यहां दिए गए हैं- बेन वालेस उन्हें कुछ लोग शायद उम्मीदवारों में न गिनते हों, लेकिन रक्षा मंत्री बेन वालेस को एक गंभीर दावेदार माना जाता है। वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए ब्रिटेन की प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण रहे हैं और अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण के समय वह इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि वहां फंसे ब्रिटेन के नागरिकों और अन्य लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने जॉनसन के मंत्रिमंडल से इस्तीफा नहीं दिया, जो बात उनके खिलाफजा सकती है, लेकिन वे निश्चित रूप से एक मजबूत उम्मीदवार की तरह दिखते हैं। पेनी मोर्डौंट व्यापार नीति राज्य मंत्री पेनी मोर्डंट को जरूरी नहीं कि सब लोग पसंद करते हों, लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर उनका बहुत सम्मान है। मोडौंट भले थोड़े समय के लिए ही सही लेकिन रक्षा मंत्री रही हैं। उन्होंने इससे पहले अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया (विभाग के विदेश कार्यालय में विलय से पहले)। वैलेस की तरह, मॉर्डंट पिछले कुछ दिनों में जॉनसन की करीबी रहीं, लेकिन पार्टी के भीतर उसकी लोकप्रियता इस बात को अनदेखा करने में मददगार हो सकती है, खासकर ब्रेक्सिट समर्थक के तौर पर उनकी साख को देखते हुए।

ऋषि सुनक पूर्व चांसलर को महामारी के शुरुआती चरणों में लीडर इन वेटिंग माना जाता था। उनकी शुरुआती सफलताओं ने उनकी स्थिति और प्रोफ़ाइल को ऊंचा कर दिया, लेकिन उनका सितारा काफी जल्दी फीका पड़ गया। अपनी पत्नी की कर स्थिति और संपत्ति पर सवाल आम तौर पर सनक को मतदाताओं की पंसद से दूर कर देते हैं। डाउनिंग स्ट्रीट में लॉकडाउन पार्टियों को लेकर पुलिस द्वारा जॉनसन के साथ उन पर भी जुर्माना लगाया गया था। जबकि वह एक मजबूत उम्मीदवार बने हुए हैं, उनकी ख्वाहिश थी कि नेता के लिए खड़े होने का अवसर उन्हें जल्दी मिलता। साजिद जाविद जाविद जॉनसन कैबिनेट से दो बार इस्तीफा देने की विशेषता रखते हैं। महामारी से ठीक पहले चांसलर के पद से उनका पहला इस्तीफा, अपने स्वयं के

कर्मचारियों को नियुक्त करने की उनकी इच्छा से प्रेरित था। मैट हैनकॉक के इस्तीफे के बाद उन्हें वापस कैबिनेट में आमंत्रित किया गया था। पार्टी के भीतर कई लोगों द्वारा एक बहुत ही सक्षम सांसद माने जाने वाले जाविद, कामकाजी वर्ग की पृष्ठभूमि रखते हैं, जिसे उनके पक्ष में गिना जाएगा, कुछ चिंता इस बात को लेकर हो सकती है कि जाविद ने जॉनसन कैबिनेट में फिर से शामिल होने में निर्णय की कमी दिखाई। नादिम ज़ाहावी ज़ाहावी तब सार्वजनिक रूप से सुर्खियों में आए जब उन्होंने वैक्सीन रोलआउट की अगुवाई की।

युवा खिलाड़ियों के आक्रामक रवैये से मिली जीत

हार्दिक के आलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 50 रन से हराया

साउथैंपटन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में शानदार बल्लेबाजी कर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की है। इस मैच में विराट कोहली, लोकेश राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल नहीं थे। इसके बाद भी टीम को जीत दर्ज करने में कोई परेशानी नहीं हुई। यह टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह युवा खिलाड़ियों के आक्रामक रवैये और हर अवसर का उपयोग करने की मानसिकता जाहिर कर रहा है। टीम में लगातार नई प्रतिभाएं आ रही हैं। इसी कारण मैच में विकेट गिरने के बाद भी युवा खिलाडी निडर होकर खेलते रहे। यह टीम के अंदर आये बदलावों को दिखाता है।

पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप के बाद भारत ने बीते 8 महीने में पांच टी20 सीरीज खेली है जिसमें अधिकतर में युवा खिलाड़ी ही थे।

केवल एक वेस्टइंडीज सीरीज ही ऐसी रही, जिसमें अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली एकसाथ खेले। इसके अलावा बाकी चारों सीरीज में यह दोनों साथ नहीं खेले। दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ पिछली दो सीरीज में यह दोनों ही बल्लेबाज टीम में नहीं थे। इसके बाद भी भारतीय टीम ने सभी मैच आसानी से जीते। दक्षिण अफ्रीका को भी भारतीय टीम ने ड्रॉ पर मजबूर किया। इन दोनों ही सीरीज में युवा बल्लेबाज दीपक हुडा ने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। यह टीम में आये बदलाव दिखाता है। इंग्लैंड के पहले अगर पहले टी20 में युवा बल्लेबाजों ने जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी की. खिलाड़ियों का जोर 135-140 के बजाए 180 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाने पर रहा. दीपक हुडा, सूर्यकुमार और हार्दिक पंड्या तीनों ने ही इसी अंदाज में बल्लेबाजी की। पहली ही गेंद से भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। हुडा ने जो पहली 3 गेंद खेली, उसमें से 2 पर छक्के मारे। वहीं सूर्यकुमार ने पहली गेंद पर चौका लगाकर दिखाया कि टीम किसी भी कीमत पर मेजबान गेंदबाजों के दबाव में नहीं आयेगी।

मलेशिया मास्टर्स: ताई जू यिंग से हारकर पीवी सिंधु बाहर

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु शुक्रवार को चीनी तापेई की ताई जू यिंग से क्वार्टरफाइनल मुकाबला हारकर मलेशिया मास्टर्स से बाहर हो गईं। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता यिंग ने सिंधु को एक्सियाटा एरिना में 55 मिनट चले मुकाबला में 21-13, 12-21, 21-12 से मात दी। यह सिंधु की यिंग के खिलाफ लगातार सातवीं हार है। दोनों अब तक 22 बार आमने-सामने आए हैं जिसमें सिंधु को 17 बार हार का सामना करना पड़ा है।

पहले गेम में सिंधु को ताई जू का डिफेंस तोड़ने में परेशानी का सामना करना पड़ा और हाफ टाइम तक वह 9-11 से पीछे चल रही थीं। बैकहैंड शॉट का उचित प्रयोग करते हुए चीनी तापेई खिलाड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीतकर मैच में 1-0 की लीड हासिल की। सिंधु ने दूसरे गेम में बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। यिंग ने मैच में वापसी करने का प्रयास किया लेकिन शुरुआती बढ़त की बदौलत सिंधु ने दूसरा गेम 21-12 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई।

सिंधु ने शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद अपनी लय खो दी और एक साथ कई पॉइंट गंवा दिए। यिंग ने इसका फायदा उठाते हुए तेजी के साथ तीसरा गेम 21-12 से जीतकर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले सिंधु टोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में भी यिंग से हार चुकी हैं। हाल ही में मलेशिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में भी उन्हें यिंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

विम्बलडन: क्रॉक्जकि-स्कूपस्की ने लगातार दूसरी बार जीता मिश्रित युगल खिताब

लंदन (एजेंसी)।

अमरीका की डेसिरै क्रॉक्जकि और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन और सैम स्टोसुर को हराकर लगातार दूसरी बार विम्बलडन का मिश्रित युगल खिताब अपने नाम किया। क्रॉक्जकि-स्कूपस्की की जोड़ी ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई युगल को 6-4, 6-3 के सीधे सेटों में मात दी। इससे पहले यह जोड़ी विम्बलडन 2021 का मिश्रित युगल खिताब भी जीत चुकी है। अपने घर के ग्रैंड स्लैम में अपने माता-पिता के सामने खेलने को लेकर उत्सुक स्कूपस्की ने मैच के बाद बताया कि यह जोड़ी टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ समय पहले तक मिश्रित युगल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पर विचार नहीं कर रही थी।

स्कूपस्की ने कहा, 'मुझे डेस ने आखिरी मिनट में खेलने के लिए बुलाया। हम खेलने वाले नहीं थे, इसलिए हम केवल दो सप्ताह के लिए एक टीम के रूप में रहे हैं। अगर वह मेरे साथ खेलती हैं तो हम अगले साल तीसरे खिताब के लिए प्रयास करेंगे।' 1996-97 में चेक भाई-बहन सिरिल सुक और हेलेना सुकोवा के बाद क्रॉक्जकि-स्कूपस्की दो विम्बलडन मिश्रित युगल जीतने वाली पहली टीम है। चैंपियनशिप में मिश्रित युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले अंतिम ब्रिटिश व्यक्ति जॉन लॉयड (1983-84) थे, जबकि ऐसा करने वाली अंतिम अमरीकी महिला बिली जीन किंग (1973-74) थीं। क्रॉक्जकि ने 2021 में तीन ग्रैंड स्लैम मिश्रित युगल खिताब जीते हैं, जिसमें विम्बलडन के अलावा रोलां गैरो और यूएस ओपन शामिल हैं।

बीच में मैं दबाव के कारण खेल का आनंद नहीं ले रही थी: हरमनप्रीत कौर

कोलबो (एजेंसी)।

भारत की वनडे और टी20 अंतररष्ट्रीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने वर्तमान में अपने अच्छे फॉर्म का श्रेय 'खुद के साथ की हुई बातचीत' को दिया हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि अब वह मैदान पर खेल का आनंद लेने लगी हैं। उन्हें इस बात की खुशी हैं कि अब उनके पास कभी भी गेंदबाजी करने की 'आजादी' है जो पहले टीम की रणनीति और गेम प्लान के तहत संभव नहीं था।

श्रीलंका के विरुद्ध 2-1 से जीती टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद हरमनप्रीत ने तीन वनडे मैचों में कुल 119 रन बनाए। इसमें तीसरे मैच में 88 गेंदों पर 75 रनों की मैच जिताऊ पारी शामिल थी जिससे भारत ने बतौर पूर्णकालिक कप्तान

उनके कार्यकाल की पहली वनडे सीरीज को क्लीन स्वीप किया। टी20 अंतररष्ट्रीय सीरीज की तरह वनडे सीरीज में भी कप्तान प्लेयर ऑफ द सीरीज चुनी गई। यह स्वीकार करते हुए कि पिछले कुछ समय से वह खेल का आनंद नहीं ले रही थी, हरमनप्रीत ने बताया कि वह प्रसन्न हैं कि इस दौरे पर उनकी सभी योजनाएं सफल हुईं। हरमनप्रीत ने कहा, 'मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं हर एक पल का आनंद लूं। बीच में मैं आनंद नहीं ले रही थी क्योंकि मैंने बहुत दबाव बना लिया था जो किसी के साथ हो सकता है। मैं उस दौर से गुज़र रही थी लेकिन अब मैंने मजे करने का प्लान बनाया है। मैच की स्थिति जो भी हो, मैं क्रीज पर खड़े रहकर टीम को योगदान दूंगी। पिछले कुछ महीनों में मैं यही करने की कोशिश कर रही हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'साथ ही टीम के खेलने के अंदाज के देखकर मुझे और प्रसन्नता हो रही हैं। मैं हमारे तेज गेंदबाजों को मौके देना चाहती थी और मुझे खुशी है कि उन्होंने दोनों हाथों से इन मौकों को स्वीकार किया। शुरुआती ओवरों में हम हमेशा स्पिनरों पर निर्भर करते थे लेकिन उन्होंने जिम्मेदारी ली और नतीजे आपके सामने है। जब योजनाएं सफल होती हैं, बहुत आनंद आता है। शायद यही कारण था कि मैं खुश थी क्योंकि सब कुछ हमारी योजनाओं के अनुसार चल रहा था।'

नडाल विम्बलडन सेमीफाइनल से हटे

विम्बलडन । स्पेन के नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले से हटे गये हैं। नडाल को सेमीफाइनल में निक किर्गियोस का सामना करना था। नडाल ने दर्द के बाद भी क्वार्टरफाइनल मुकाबला जीता था। नडाल ने ऑल इंग्लैंड ने कहा कि दुर्भाग्य से मुझे सेमीफाइनल से हटना पड़ रहा है। नडाल के मुकाबले से हटने के बाद किर्गियोस ने पहली बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। यहां उनका सामना सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और कैमरन नोरी के बीच होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा। नडाल पिछले एक हफ्ते से पेट की मांसपेशियों में दर्द से पीड़ित थे। वहीं दूसरी ओर कजाकिस्तान की एलीना रायबेकीना ने महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में रोमानिया की शिमोना हालेप को सीधे सेट में 6-3, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरे सेमीफाइनल में ट्यूनीशिया की ओंस जबाउर ने ततयाना मारिया को 6-2, 3-6, 6-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी।

दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेटर लिजेल ने संन्यास लिया

केप टाउन (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटर लिजेल ली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। ली हालांकि अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में खेलती रहेंगी। 30 साल की ली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रंखला से की थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की ओर से दो टेस्ट, 100 एकदिवसीय और 82 टी20 मैच खेले हैं। वहीं एकदिवसीय मैचों में वह 3,315 रन बनाकर वह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने नौ साल के करियर के दौरान तीन शतक और 23 अर्धशतक लगाये हैं। टी20 मैचों में उन्होंने एक शतक और 13 अर्धशतकों के साथ ही 1,896 रन बनाये हैं। वह टी20 छोटे प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला खिलाड़ी हैं।

रोहित लगातार 13 टी20 मैच जीतने वाले विश्व के पहले कप्तान बने

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मेजबान टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले ही मैच में जीत के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। रोहित अब इस प्रारुप में कप्तान के तौरा पर लगातार 13 मैच

जीतने वाले विश्व के पहले कप्तान बन गये हैं। कप्तान के तौर पर इससे पहले रोमानिया के रमेश सतीशन और अफगानिस्तान के असगर अफगान ने लगातार 12-12 मैच जीते थे। पहले टी20 में जीत के साथ ही भारतीय टीम अब इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इससे पहले कोरोना संक्रमण के कारण रोहित एजबेस्टन टेस्ट मैच में नहीं खेल पाये थे। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम द्वारा लागातार 13 मैच जीतने का विश्व रिकॉर्ड हासिल करने के बाद सोशल मीडिया पर भी प्रशंसक काफी उत्साहित नजर आये। उनकी इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया पर कई मीम्स भी बने हैं। गौरतलब है कि रोहित को सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद से अभी तक एक भी बार हार का सामना नहीं करना पड़ा है। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की अहम भूमिका रही। हार्दिक ने प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का चुना गया।

रोहित, विराट और ऋषभ वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किये जा सकते हैं शामिल

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर ऋषभ पंत भी वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में खेल सकते हैं। अभी तक इस सीरीज के लिए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा नहीं हुई है। टीम इंडिया 22 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला और पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज में रोहित सहित अधिकतर अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए शिखर धवन को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं माना जा रहा है कि आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए वेस्टइंडीज

के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का मानना है कि इससे रोहित, विराट और ऋषभ जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। विराट अभी तक अपना फार्म हासिल नहीं कर पाये हैं और इस सीरीज में उनके पास इसे हासिल करने का अंतिम अवसर रहेगा। विराट , रोहित और ऋषभ को सहित वरिष्ठ खिलाड़ियों का वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय के लिए आराम दिया गया है। ऐसे में इन खिलाड़ियों के पास पहले ही तरोताजा होने का पर्याप्त समय रहेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी धवन करेंगे जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी रविन्द्र जडेजा को दी गयी है। इस टीम में रुतुराज गायकवाड़, दीपक हुड्डा, ईशान किशन सहित , प्रसिद्ध कृष्णा सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम फैरो आइलैंड से 2–4 से हारी

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम को गुरूवार को नार्वे के स्ट्रोमेन में फैरो आइलैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीमें नियमित समय में गोल नहीं कर सकीं जिससे मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। भारत ने शुरू में 2 कॉर्नर हासिल किए लेकिन शैलजा का क्रॉस प्रतिद्वंद्वी टीम के डिफेंस ने रोक दिया। भारतीय टीम का यूरोप का यह दौरा आगामी अंडर-17 विश्व कप की तैयारियों का हिस्सा है जिसकी मेजबानी भारत करेगा। 30 मिनट से ज्यादा का समय हो चुका था और भारत को एक फ्री किक मिली जिस पर डिफेंडर नाकेटा ने शॉट लगाया लेकिन प्रतिद्वंद्वी टीम की गोलकीपर ने आसानी से इसे लपक लिया। कुछ मिनट बाद लिंडा कोम सर्टो ने जगह बनाने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रहीं। नीतू लिंडा ने रिबाउंड पर शॉट लगाया लेकिन यह सीधा गोलकीपर के पास गया। कोच थॉमस डेनेरबी ने हाफ टाइम के ब्रेक के बाद कुछ बदलाव किए। काजोल डिसूजा और रेंजिया देवी ने नेहा और शैलजा की जगह ली। दोनों टीमों की ओर से प्रयास होते रहे और फिर रैफरी ने 4 मिनट का इंजुरी समय जोड़ा। फिर पेनल्टी शूटआऊट में फैरो आइलैंड ने जीत दर्ज की। इसमें नीतू लिंडा और अनीता कुमारी ने भारत के लिए गोल किए जबकि वर्षिका और काजोल डिसूजा को प्रयास विफल रहे।

पूरन की अर्धशतकीय पारी से वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में बांग्लादेश को हराया

जॉर्जटाउन (एजेंसी)।

कप्तान निकोलस पूरन की अर्धशतकीय पारी से वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 क्रिकेट मैच में भी बांग्लादेश को हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। इस मैच में टॉस जीत कर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 169 रन बनाकर ही हासिल कर लिया। बांग्लादेश की ओर से लिटन दास और अफीफ हुसैन ने ओडियन स्मिथ के एक ही ओवर में 20 रन निकालकर टीम को अच्छी शुरूआत दिलायी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। लिटन 41 गेंद में 49 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद महमूदुल्लाह भी 22 रन बनाकर आउट हो गये। अफीफ ने 38 गेंद में 50 रन बनाये। बाकि बल्लेबाजी सस्ते में ही आउट हो गये और बांग्लादेश की पूरी टीम 163 रनों पर सिमट गयी।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स ने 38 गेंदों में 55 रन बनाए। इन दोनों ने 8.3 ओवर में 85 रन रनों की साझेदारी बनायी। सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद भी पूरन का आक्रामक अंदाज जारी रहा। उन्होंने 18वें ओवर में अफीफ पर छक्का लगाकर अपना नौवां टी-20 अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद महमूदुल्लाह पर छक्का अपनी टीम को जीत दिलायी।

एफआईएच महिला विश्व कप: न्यूजीलैड से हारा भारत, क्रॉसओवर में स्पेन से खेलेगा

एसटेलवीन (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच महिला विश्व कप पूल बी के अपने अंतिम मैच में मौके गंवाने का खामियाजा न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां 3-4 की हार के साथ भुगतना पड़ा लेकिन इसके बावजूद अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए टीम क्रॉसओवर में जगह बनाने में सफल रही। न्यूजीलैंड की टीम सात अंक के साथ पूल बी में शीर्ष पर रही। इंग्लैंड की टीम ने चार अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारत और चीन दोनों के दो-दो अंक रहे।

भारत ने हालांकि बेहतर गोल अंतर के कारण क्रॉसओवर के लिए क्वालीफाई किया। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार चार पूल में शीर्ष पर रहने वाली चार टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम क्रॉसओवर खेलेंगी। क्रॉसओवर मुकाबलों की विजेता टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। भारत का सामना पूल सी में दूसरे स्थान पर रही सह मेजबान स्पेन से रविवार को होगा। सह मेजबान नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, अर्जेंटीना और आस्ट्रेलिया पूल में शीर्ष पर रहकर क्वार्टर फाइनल में सीधे पहुंच गए हैं।

भारत ने अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ मौके नहीं गंवाए होते तो टीम जीत दर्ज कर सकती थी। भारतीय टीम 15 पेनल्टी कॉर्नर में से सिर्फ एक पर ही गोल कर सकी। भारत अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए रविवार को स्पेन के टेरेसा में होने वाले क्रॉसओवर में पूल सी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगा। भारत के लिए गुरुवार को वंदना कटारिया (चौथे मिनट), लालरेमसियामी (44वें मिनट) और गुरजीत कौर (59वें मिनट) ने गोल दागे जबकि न्यूजीलैंड की ओर से ओलीविया मैरी (12वें और 54वें मिनट) ने दो जबकि टेसा योप (29वें मिनट) और फ्रांसिस डेविस (32वें मिनट) ने एक-एक गोल किया।

भारत की शुरूआत अच्छी रही और गेंद पर नियंत्रण भी खिलाड़ियों ने बनाए रखा। चौथे मिनट में लालरेम्सियामी के पुश पर वंदना ने डाइव लगाकर गोल करके भारत को बढत दिला दी। दसवें मिनट में शर्मिला देवी के पास बढत दुगुनी करने का मौका था लेकिन वह चूक गई हालांकि भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में कामयाब रही। गुरजीत की दमदार फ्लिक को न्यूजीलैंड की गोलकीपर ब्रूक रॉबटर्स ने बचा लिया। न्यूजीलैंड को 12वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ओलिविया मेरी ने गोल में बदला।

दूसरे क्वार्टर के तीन मिनट बाद लालरेम्सियामी के शॉट को कीवी गोलकीपर ने बचा लिया। वहीं पेनल्टी कॉर्नर पर दीप ग्रेस इक्का का शॉट बाहर चला गया। हाफ टाइम से एक मिनट पहले भारत को डिफेंस में ढिलाई का खामियाजा भुगतना पड़ा और न्यूजीलैंड के लिये योप ने गोल

कर दिया। दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने आक्रामक शुरूआत की और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर बनाये जिनमें से एक को डेविस ने गोल में बदला । लालरेम्सियामी ने भारत के लिये 44वें मिनट में गोल किया।

आखिरी क्वार्टर में भारत को कई पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। न्यूजीलैंड के लिये इस बीच मैरी ने एक और गोल करके बढ़त दुगुनी कर दी। गुरजीत ने आखिरी सीटी बजने से एक मिनट पहले भारत के 13वें पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर अंतर कम किया। भारत को आखिरी मिनट में भी दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जो बेकार गए।

भारत के गुकेश नें जीता सिटी ऑफ गेहोन शतरंज का खिताब

बार्सिलोना , स्पेन। भारत के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें स्पेन में सिटी ऑफ गेहोन टूर्नामेंट का खिताब एक राउंड बाकी रहते ही अपने नाम कर लिया है और इसके साथ ही गुकेश शतरंज के बेहद अहम पड़ाव माने जाने वाले 2700 अंको को छूने से सिर्फ 4 अंक पीछे रह गए है । 10 खिलाड़ियों के बीच चल रहे राउंड रॉबिन मुकाबलों में गुकेश नें कुल 8 राउंड में से ही सात मुक़ाबले जीतकर और एक ड्रॉ खेलते हुए खिताब अपने नाम कर लिया ,गुकेश नें प्रतियोगिता के सातवे राउंड में प्रतियोगिता के दूसरे वरीय परागुए के ग्रांड मास्टर डेलगाड़ो नेऊरिस को पराजित किया , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें बोंगो इंडियन ओपनिंग में अपने सधे हुए मुक़ाबले में डेलगाड़ो को सिर्फ 35 चालों में हारा दिया और इसके बाद आठवे राउंड में स्पेन के इंटरनेशनल मास्टर फुएंटे टेजेडोर को मात देते हुए अपने नजदीकी प्रतिद्वंदी ब्राज़ील के अलेक्ज़ेंडर फेयर से 1.5 अंक की बढ़त बना ली और इससे यह साफ हो गया की एक राउंड पहले ही उनका खिताब जीतना अब तय हो गया है ।

एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से मांगा समर्थन

भुवनेश्वर, एमएस संवाददाता:एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भव्य स्वागत किया गया। ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने बीजद के सांसदों व विधायकों से मुर्मू की मुलाकात करवाई। नई दिल्ली से विशेष विमान से द्रौपदी मुर्मू भुवनेश्वर पहुंचीं। यहां से उन्हें अतिथि भवन ले जाया गया। इसके बाद वह विधानसभा सभा पहुंची, जहां पहले से ही उपस्थित बीजद सुप्रीमो तथा ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उनका स्वागत किया।

नवीन पटनायक की अध्यक्षता में विधानसभा सम्मेलन कक्ष में बीजद सांसद व विधायकों के साथ बैठक हुई। इसमें सभी विधायकों से द्रौपदी मुर्मू ने समर्थन मांगा। इसके साथ ही द्रौपदी मुर्मू ने नवीन पटनायक से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका समर्थन मागा है। द्रौपदी मुर्मू ने नवीन पटनायक को भाई कहकर संबोधित किया। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैंनें नवीन को राखी बांधी थी। विदेश में रहने के बावजूद नवीन ने फोन कर मुझसे बात की थी।द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जब मैं ओडिशा सरकार में मंत्री थी, तब हमने साथ में कई काम किए थे। आगे अभी और बहुत काम करना बाकी है। मैं गांव की बेटी हूं। आपसे सहयोग की कामना करती हूं। मेरे गांव की अवस्था बदल जाएगी। राष्ट्रपति होने पर ओडिशा सुंदर तरीके से आगे बढ़ेगा। इस मौके पर नवीन पटनायक ने द्रौपदी मुर्मू को वोट देने के लिए सभी सांसदों व विधायकों से अपील की।

ओडिशा विधानसभा सम्मेलन कक्ष में बीजद विधायकों व सांसदों के साथ चर्चा करते समय द्रौपदी मुर्मू भाव विभोर हो गईं। सीएम नवीन पटनायक को भाई कहकर संबोधित करते हुए कहा कि मांगने से पहले ही भाई ने हमें राखी का उपहार दे दिया। यह जानकारी राजस्व व आपदा संचालन मंत्री प्रमिला मलिक ने दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को द्रौपदी मुर्मू ने राखी बांधी। राखी बंधाई मांगने से पहले ही मुख्यमंत्री ने उन्हें उपहार दे दिया। भाई-बहन का संबंध और मजबूत हुआ है। बहन द्रौपदी के मन की बात जानकर भाई (मुख्यमंत्री नवीन पटनायक) ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। द्रौपदी मुर्मू के लिए पूरा ओडिशा गर्वित है।

बीजद विधायक अरुण साहू ने कहा कि विधानसभा में विधायकों व सांसदों के साथ चर्चा के समय मुर्मू भाव-विभोर हो गईं। मुख्यमंत्री को जगन्नाथ व खुद को सुभद्रा बताया। मुख्यमंत्री ने सभी से द्रौपदी मुर्मू को वोट देने के लिए आह्वान किया। एक भी वोट रद ना होने पाए इसके लिए ध्यान देने को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है। पूर्वाह्न ११ बजे द्रौपदी मुर्मू भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां से उनका पारंपरिक नृत्य गीत के साथ स्वागत किया गया। मुर्मू को अपनी शुभकामना देने के लिए नेता मंत्री से लेकर आम लोगों का भारी हुजूम पहुंचा। राज्य सरकार के मंत्री से लेकर, विधायक, सांसद भाजपा के राज्य अध्यक्ष से लेकर सांसद विधायक हर किसी ने एयरपोर्ट पर द्रौपदी मुर्मू का भव्य स्वागत किया हिंज;

रथ यात्रा अवधि के दौरान पुरी के लिए रेलवे अब तक की सबसे अधिक विशेष ट्रेनों का उपलब्ध कराई

भुवनेश्वर, एमएस संवाददाता:: ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने इस साल रथ यात्रा अवधि के दौरान पुरी के लिए अब तक की सबसे अधिक विशेष ट्रेनें चलाकर एक अनूठा मील का पत्थर हासिल किया है।पहले घोषित २०५ विशेष ट्रेनों के मुकाबले रथ यात्रा महोत्सव के लिए लगभग २२५ विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई थी। पूर्व नियोजित विशेष ट्रेनों के स्थान पर इस वर्ष बहुदा यात्रा और सुना बेशा के लिए अतिरिक्त २० विशेष ट्रेनें उपलब्ध कराई गई हैं।

ईसीओआर ने एक बयान में कहा कि रेल मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों की सुगम यात्रा और सुविधा के लिए रथ यात्रा अवधि के दौरान पुरी से और पुरी के लिए २०५ विशेष ट्रेनों की घोषणा की थी।भक्तों की भीड़ और मांगों को देखते हुए संध्या दर्शन, बहुदा यात्रा और सुना बेशा के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की भी योजना थी। उपरोक्त दिनों के दौरान अधिक भक्तों के एकत्र होने की अपेक्षा करते हुए, रेलवे ने सुना बेशा के अगले दिन विशेष रेलगाड़ियों को चलाने सहित २० और विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है।

यात्रियों की सुविधा के लिए, पूर्व तट रेलवे ने कुछ लंबी दूरी की विशेष ट्रेनों में आरक्षित श्रेणी में आवास प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

०२८९१/०२८१० भुवनेश्वर-पुरी-भुवनेश्वर दैनिक रथ यात्रा स्पेशल भुवनेश्वर से १००५ बजे प्रस्थान करेगी और वापसी में १ से ११ जुलाई के बीच १५१० बजे पुरी से प्रस्थान करेगी।

संध्या दर्शन दिवस (८ जुलाई) पर, विशेष ट्रेनों के ७ जोड़े (महिपुर से ३ जोड़े और खुर्दा रोड से ४ जोड़े) को पहले पुरी और इसके विपरीत चलने के लिए अधिसूचित किया गया था। इसके अलावा ०८९३३/०८९३४ विशाखापत्तनम-पुरी-विशाखापत्तनम स्पेशल, ०८९३७/०८९३८ जूनागढ़ रोड-पुरी-जूनागढ़ रोड स्पेशल, ०८९४५/०८९४६ संबलपुर-पुरी-संबलपुर स्पेशल, ०८९४१/०८९४२ गुनुपुर-पुरी-गुनुपुर स्पेशल की ओर चलने के लिए अधिसूचित किया गया है. पुरी और अपने मूल स्थान पर लौट आएंगे।

बहुदा यात्रा (९ जुलाई) को पारादीप, महिपुर, कटक, ब्रह्मपुर, भद्रक, खुर्दा रोड, क्योंझरगढ़ से १० जोड़ी विशेष ट्रेनें पुरी और इसके विपरीत चलेंगी। उपरोक्त के अलावा ५ अतिरिक्त विशेष ट्रेनें भद्रक, कटक, खुर्दा रोड, पारादीप और ब्रह्मपुर से बहुदा यात्रा के लिए पुरी जाएंगी. वापसी की दिशा में ८ अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें पुरी से केंदुझारगढ़, ब्रह्मपुर, कटक, भद्रक, पारादीप और खुर्दा रोड के लिए रवाना होंगी.

सुना बेशा दिवस पर, यानी १० जुलाई, २०२२ को; पारादीप, महिपुर, कटक, ब्रह्मपुर, भद्रक, खुर्दा रोड, क्योंझरगढ़ से ११ जोड़ी विशेष ट्रेनें पुरी और इसके विपरीत चलेंगी। इसके अलावा ०८९७१/०८९७२ जूनागढ़ रोड-पुरी-जूनागढ़ रोड स्पेशल, ०८९५७/०८९५८ गुनुपुर-पुरी-गुनुपुर स्पेशल, ०८९७९/०८९८० संबलपुर-पुरी-संबलपुर स्पेशल, ०८९७५/०८९७६ विशाखापत्तनम-पुरी-विशाखापत्तनम स्पेशल की घोषणा पहले की गई थी.

उक्त विशेष ट्रेनों के अलावा, कटक, भद्रक, ब्रह्मपुर, पारादीप, केंदुझारगढ़ और खुर्दा रोड से ८ अतिरिक्त विशेष ट्रेनें पुरी तक चलेंगी और वापसी दिशा में ८ अतिरिक्त विशेष ट्रेनें पुरी से कटक, भद्रक, ब्रह्मपुर और खुर्दा रोड की ओर प्रस्थान करेंगी. निर्देश।

सुनवेशा (११ जुलाई, २०२२) के अगले दिन, ६ विशेष ट्रेनें पुरी से गुनुपुर, रायगडा, भद्रक, विशाखापत्तनम, केंदुझारगढ़ और महिपुर के लिए रवाना होंगी और एक विशेष ट्रेन क्योंझरगढ़ से पुरी के लिए चलेगी। ०८९८३ पुरी-संबलपुर स्पेशल ११.०७.२०२२ को पुरी से संबलपुर के लिए १२००बजे प्रस्थान करेगी।

ओडिशा लगातार तीसरे दिन ४०० से अधिक कोविड मामलों की रिपोर्ट

भुवनेश्वर: ओडिशा में लगातार तीसरे दिन कोरोना पॉजिटिव मामले ४०० के आंकड़े को पार कर गए हैं, क्योंकि पिछले २४ घंटों में राज्य में ४७० नए मामले सामने आए हैं, जिससे संक्रमितों की संख्या १२,९२,४१६ हो गई है।

स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने कहा कि ३० में से ग्यारह जिलों से ४७० सकारात्मक मामले सामने आए, २७६ मामले संगरोध केंद्रों से और १९४ स्थानीय संपर्क मामलों के रूप में दर्ज किए गए।

पिछले तीन दिनों के दौरान, पिछले २४ घंटों में कोविड सकारात्मक मामले ४०१ से बढ़कर ४२८ और अंत में ४७० हो गए हैं।

खोरधा जिले में पिछले कई दिनों से सबसे ज्यादा पॉजिटिव मामले सामने आ रहे हैं। कटक (९४), सुंदरगढ़ (२४) और पुरी (१७) के बाद २२१ मामलों की रिपोर्ट करने के लिए जिले में सकारात्मक मामले २०० अंक को पार कर गए।

दैनिक राज्य परीक्षण सकारात्मकता दर (टीपीआर) २.७ प्रतिशत रही, जिसमें खोरधा जिले में उच्चतम टीपीआर १०.६ प्रतिशत दर्ज किया गया, इसके बाद पुरी (८.१) और कटक (७.७ प्रतिशत) का स्थान रहा।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सक्रिय मामले भी बढ़कर २४८७ हो गए, जिनमें से अकेले खोरधा जिले में सबसे अधिक १२०७ मामले कटक (४४०) और बालासोर (८१) हैं।

ढेंकनाल, अंगुल और कोरापुट जैसे तीन जिलों में कोई सक्रिय मामले नहीं हैं, जबकि ग्यारह जिलों में शून्य परीक्षण सकारात्मकता दर है।

पिछले २४ घंटों में वायरस से लगभग २१८ मरीज ठीक हुए हैं, जिससे राज्य में कुल ठीक होने वालों की संख्या १२,८०,७५० हो गई है।

सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र में नई सुरक्षा प्रबंधन पहल 9निश्चय“ प्रारंभ

राउरकेला, एमएस संवाददाता :सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र के एच.आर.डी. केंद्र में आर.एस.पी. के निदेशक प्रभारी, श्री अतनु भौमिक द्वारा कार्यपालक निदेशक (खान), श्री ए.के.कुंडु, कार्यपालक नि ?देशक (वर्क् ?स), श्री एस.आर.सूर्यवंशी, कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशसान), श्री पी.के.शतपथी, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री पी.के.साहू और कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), श्री सोमनाथ त्रिपाठी की उपस्थिति में एक नई सुरक्षा प्रबंधन पहल 9निश् ?चय“ प्रारंभ की गई। इस समारोह में मुख्य महा प्रबंधकों सहित संयंत्र के विभिन्न इकाइयों के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी ने निश्चय लोगो का अनावरण भी किया द उल्लेखनीय है कि, एक सुरक्षा प्रबंधन सलाहकार मेसर्स अर्न्स्ट एंड यंग को संगठन में समग्र सुरक्षा की संस्कृति को सुदृढ़ करने में आर.एस.पी. को सहयोग करने के लिए लगाया गया है।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए, श्री भौमिक ने व्यवहारिक सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और सुरक्षा के प्रति नेतृत्व, दृष्टिकोण, मानसिकता और प्रतिबद्धता की भूमिका पर जोर दिया क्योंकि जो जीवन के हर पहलू में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण घटक है। श्री भौमिक ने सभी से सुरक्षा प्रबंधन सलाहकार को सहयोग देने का आग्रह किया ताकि आर.एस.पी. में सुरक्षा कार्य संस्कृति को और मजबूत किया जा सके और इसे हरित स्टील का उत्पादन करने वाला विश्व स्तरीय निगम बनाया जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री कुंडू ने कमी का आकलन करने और संगठन के भीतर मजबूत सुरक्षा प्रणाली बनाने में 9निश्चय“ के लाभप्रदता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मूल कारण विश्लेषण, सुरक्षा निरीक्षण, सुरक्षा प्रचार गतिविधियों और सुरक्षा खतरों से बचने के लिए आपातकालीन तैयारी की आवश्यकता को रेखांकित किया।

श्री सूर्यवंशी ने संयंत्र के निष्पादन, उत्पादन, लाभप्रदता और जीविका के साथ व्यवहार्यता को बढ़ाने के लिए सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने सभी से 9निश्चय“ को अपने कार्य का अभिन्न अंग बनाने और एक टीम के रूप में कार्य करते हुए नियमावलियों और सिद्धांतों का पालन करने का आग्रह किया।

सुरक्षा प्रबंधन प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन के लिए रोड मैप के बारे में जानकारी देते हुए मैसर्स ई एंड वाई के सलाहकार श्री राजा देबनाथ द्वारा 9निश्चय“ पहल के अवलोकन पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई। इसके बाद खुले चर्चा के दौरान कई सवाल उठाए गए, जिनका स्पष्टीकरण श्री देबनाथ ने किया। प्रारंभ में महा प्रबंधक (सुरक्षा), श्री ए.के.पंडा ने स्वागत भाषण दिया। महा प्रबंधक (सुरक्षा), श्री अबकाश बेहेरा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रबंधक (आर.सी.एल.), सुश्री अंकिता बिलुंग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

महिलाओं के लिए समर्पित है सरकार: एनसीडब्ल्यू चेयरपर्सन रेखा शर्मा

भुवनेश्वर, ८ जुलाई: भाकृअनुप-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने शुक्रवार को पारिवारिक खाद्य और पोषण सुरक्षा में सुधार के लिए पोषण संबंधी हस्तक्षेपों के महत्व पर हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए पोषक संवेदनशील कृषि पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग ने प्रतिभागियों को अवगत कराया कि भारत सरकार महिलाओं की भलाई के लिए समर्पित है और महिला समावेशी और महिला अनन्य नीतियों और कार्यक्रमों दोनों को तैयार करने और लागू करने के लिए समय पर उपाय कर रही है। .

उन्होंने आशा व्यक्त की कि महिलाएं भूमि अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी और बेहतर कल के निर्माण के लिए अपनी बेटियों को इसे देने का प्रयास करेंगी। उन्होंने सुझाव दिया कि आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए को महिलाओं के बीच उद्यमिता विकास के लिए पैकेजिंग, शेल्फ लाइफ सुधार, स्थानीय रूप से तैयार खाद्य पदार्थों के विपणन और बैटरी संचालित महिलाओं के अनुकूल उपकरणों में पहल करनी चाहिए।

मिनाती बेहरा, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, ओडिशा ने इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका में सुधार के लिए समन्वित तरीके से विभिन्न हितधारकों द्वारा उपयुक्त हस्तक्षेप पर जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए उनके जोखिम, भेद्यता और तैयारियों का मानचित्रण करने पर जोर दिया कि कृषि उत्पादन उनके पोषण संबंधी परिणामों का दोहन कर सके।

डॉ डेज़ी ठाकुर, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, हिमाचल प्रदेश ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और स्थानीय पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्री स्मार्ट विलेज कार्यक्रम के तहत आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने सलाह दी कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखना चाहिए और जब भी जरूरत हो न्याय पाने के लिए महिला आयोग की सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए।

डॉ अनिल कुमार, निदेशक, आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए ने अपने संबोधन में एनसीडब्ल्यू द्वारा राष्ट्रीय महिला नीति में पहचाने गए सात प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जिसमें खाद्य सुरक्षा और पोषण, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, निर्णय लेने, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन आदि सहित स्वास्थ्य के क्षेत्र शामिल हैं। जो बड़े पैमाने पर कृषि महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और भलाई को प्रभावित करता है।

उन्होंने घर और खेत के प्रबंधन में कृषि महिलाओं के कठिन परिश्रम को कम करने के लिए अधिक महिला अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और शोधन पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों में बढ़ते कुपोषण से निपटने के लिए पोषक संवेदनशील कृषि का विशेष उल्लेख किया।

आज इस कार्यक्रम में आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए के कर्मचारियों सहित ओडिशा के विभिन्न जिलों के १३ गांवों से लगभग ३०० कृषि महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर किसान-वैज्ञानिक इंटरफेस का भी आयोजन किया गया, जिसमें आईसीएआर-सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिकों ने कृषि महिलाओं और अन्य प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उनके सामने आने वाली नई तकनीकों और बाधाओं पर चर्चा की।

आरएसपी के बीजू पटनायक हॉकी स्टेडियम में आइकॉनिक सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में प्रदर्शनी हॉकी मैच आयोजित

राउरकेला, एमएस संवाददाता :आइकोनिक सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में ७ जुलाई को आरएसपी के बीजू पटनायक हॉकी स्टेडियम में सेल, हॉकी अकादमी और पानपोश हॉकी अकादमी के बीच प्रदर्शनी हॉकी मैच खेला गया। समापन समारोह में माननीय संसद सदस्य (सुंदरगढ़), ओडिशा और रक्षा पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष, श्री जुएल ओराम मुख्य अतिथि थे जबकि कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन), श्री पी के शतपथी सम्मानित अतिथि थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री बीरेंद्र कुल्लू, महाप्रबंधक (प्रोटोकॉल, एसडब्ल्यू एंड एचएस) श्री बी के राउत और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री ओराम ने क्षेत्र के समग्र विकास में आरएसपी द्वारा किए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने खिलाड़ियों को राज्य के साथ-साथ राष्ट्र का नाम ऊँचा रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागियों, अधिकारीयों एवं कोचों को प्रतिक उपहार स्वरुप हॉकी किट बैग प्रदान किये।

मैच की दूसरी पारी की शुरुआत से पहले गणमान्यों ने खिलाड़ियों से बातचीत की। रोमांचक मैच का समापन एक कठिन प्रतिस्पर्धा के बाद ४-४ के ड्रा के साथ हुआ जिसमें कुछ बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिले। प्रारंभ में श्री राउत ने सभा का स्वागत किया और कार्यक्रम का समन्वयन किया। सीआरएम के श्री अनिल मलिक ने कार्यक्रम का संचालन किया। आइकॉनिक सप्ताह समारोह में खिलाड़ियों के समावेश के साथ आरएसपी ने अपनी छत्रछाया में आने वाले हर क्षेत्र को आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी जन उत्सव में जनभागीदारी के तहत शामिल करने का प्रयास किया है।

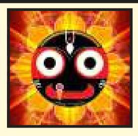

ପବିତ୍ର ଘୋଷଯାତ୍ରା ଏବଂ ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ଜଗତର ନାଥ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ବରଗଡ ଜିଲ୍ଲା ସମେତ ସାରା ଓଡିଶା ର ଜନସାଧାରଣ ଙ୍କୁ ସୁଖ, ଶାନ୍ତି ଏବଂ ସଂମୃଦ୍ଧି ଦିଅନ୍ତୁ ଏହାହିଁ ଜଗନ୍ନାଥ ଙ୍କ ଠାରେ ପ୍ରାର୍ଥନା ।

ଅର୍ପିତା ପଣ୍ଡା
ସରପଂଚ କଟାବାହାଲ ଗ୍ରାମ ପଂଚାୟତ, ଜିଲ୍ଲା - ବରଗଡ

ପବିତ୍ର ଘୋଷଯାତ୍ରା ଏବଂ ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ଜଗତର ନାଥ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ବରଗଡ ଜିଲ୍ଲା ସମେତ ସାରା ଓଡିଶା ର ଜନସାଧାରଣ ଙ୍କୁ ସୁଖ, ଶାନ୍ତି ଏବଂ ସଂମୃଦ୍ଧି ଦିଅନ୍ତୁ ଏହାହିଁ ଜଗନ୍ନାଥ ଙ୍କ ଠାରେ ନିଷ୍ଠା ପରିବାର ର ପ୍ରାର୍ଥନା ।

ପବିତ୍ର ଘୋଷଯାତ୍ରା ଏବଂ ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ଜଗତର ନାଥ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ବରଗଡ ଜିଲ୍ଲା ସମେତ ସାରା ଓଡିଶା ର ଜନସାଧାରଣ ଙ୍କୁ ସୁଖ, ଶାନ୍ତି ଏବଂ ସଂମୃଦ୍ଧି ଦିଅନ୍ତୁ ଏହାହିଁ ଜଗନ୍ନାଥ ଙ୍କ ଠାରେ ପ୍ରାର୍ଥନା ।

ନବିନ ମହାନନ୍ଦ
ସରପଂଚ ପହଣ୍ଡି ଗ୍ରାମ ପଂଚାୟତ, ବିଜେପୁର, ବରଗଡ

ପବିତ୍ର ଘୋଷଯାତ୍ରା ଏବଂ ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ଜଗତର ନାଥ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ବରଗଡ ଜିଲ୍ଲା ସମେତ ସାରା ଓଡିଶା ର ଜନସାଧାରଣ ଙ୍କୁ ସୁଖ, ଶାନ୍ତି ଏବଂ ସଂମୃଦ୍ଧି ଦିଅନ୍ତୁ ଏହାହିଁ ଜଗନ୍ନାଥ ଙ୍କ ଠାରେ ପ୍ରାର୍ଥନା ।

ସବିତା ସାହୁ
ସରପଂଚ ଯୋଖିପାଲି ଗ୍ରାମ ପଂଚାୟତ, ବିଜେପୁର, ବରଗଡ

शांति देवी के निधन से गनेरीवाल परिवार में पसरा सन्नाटा

कटक:- कटक शहर के जाने-माने युवा समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी नरेश गनेरीवाल की माता एवं स्वर्गीय काशी प्रसाद गनेरीवाल की धर्मपत्नी शांति देवी का उनके निवास स्थान सीडीए सेक्टर ६ में गुरुवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया. निधन की खबर लगते ही उनके निवास स्थान पर श्रद्धांजलि देने वालों की सैलाब उमर पड़ी. स्वर्गीय शांति देवी एक धर्म परायण महिला थी और उनका ज्यादा जीवन पूजा पाठ में व्यतीत होता था. शुक्रवार को पूरी के स्वर्गद्वार में दाह संस्कार किया गया. बड़े बेटे नरेश गनेड़ीवाल ने अपनी माता को मुखाग्नि देकर पुत्र धर्म का पालन किया साथ में उनके छोटे पुत्र कमलेश गनेड़ीवाल सहित परिवार के अन्य सदस्य एवं सगे संबंधी मौजूद थे.

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA) Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र